सांध्य दैनिक

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्र.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 165 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, सोमवार 30 मार्च 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खाते में अचानक दिखने लगे दस करोड़, मैनपुरी की महिला सीता ने पेश की इमानदारी की मिशाल

मैनपुरी ए.। उत्तरप्रदेश के मैनपुरी की रहने वाली एक महिला इन देश भर में अपनी इमानदारी के लिए चर्चा में है। दरअसल मैनपुरी के गांव देवगंज की रहने वाली सीता के खाते में दस करोड़ आ गए। महिला जब एटीएम पहुंची तो बैलेंस देखकर चौंक गई। इतने रुपए देखने के बाद भी सीता का इमान नहीं डोला और उन्होंने परिवार से साफ कह दिया कि जब तक सच्चाई सामने नहीं आ जाती, तब तक खाते से एक रुपए की भी निकासी नहीं होगी।

गांव देवगंज निवासी सीता देवी पत्नी पारसभान बहेलिया ने करीब दो साल पहले बैंक ऑफ इंडिया, सुल्तानगंज से भैंस खरीदने के लिए लोन कराया था। उनको एक एटीएम कार्ड भी मिला था। बीते 24 मार्च को वह अपने बेटे अरुण के साथ बैंक ऑफ इंडिया की सुल्तानगंज शाखा पर बैलेंस चेक करने के लिए पहुंचीं तो खाते में शेष राशि देखकर उनके होश उड़ गए। खाते में 9 करोड़ 99 लाख 49 हजार 588 रुपये का बैलेंस दिख रहा था। सीता देवी को

विश्वास नहीं हुआ तो उन्होंने दोबारा से बैलेंस चेक किया। फिर से वही बैलेंस दिखाने पर उन्होंने इसका वीडियो बनाया और बेटे की मदद से वायरल किया।

आरबीआई तक पहुंचा वीडियो, फिर हुई जांच

सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो रिजर्व बैंक ऑफइंडिया (आरबीआई) तक पहुंच गया। आरबीआई ने संज्ञान लेते हुए बैंक ऑफइंडिया को निर्देश जारी किए। इसके बाद रविवार को बैंक ऑफइंडिया के शाखा प्रबंधक पुष्पेंद्र सिंह जांच के लिए गांव पहुंचे। महिला को साथ लेकर उन्होंने खाते की जांच की तो पाया कि सीता के खाते में कोई भी संदिग्ध लेनदेन नहीं हुआ है। उनके खाते में इस समय 61512 रुपये 75 पैसे का बैलेंस है। बैंक मैनेजर के अनुसार, सीता के खाते में जो बड़ी रकम दिखाई दे रही थी, वह एक तकनीकी कारण यानी लोन अकाउंट पर लगे 'लियन' की वजह से दिख रही थी। यानी यह सिर्फसिस्टम की एंट्री थी, असली पैसा नहीं था। अग्रणी जिला प्रबंधक रामचंद्र साहा ने बताया कि महिला सीता के खाते में रुपये का कोई भी लेनदेन नहीं हुआ है। तकनीकी गड़बड़ी की वजह से एटीएम में इतनी बड़ी रकम दिख रही थी।

खास-खबर

रद्द 4 ट्रेनें बहाल, इतवारी से शालीमार के बीच चलेगी समर स्पेशल ट्रेन

रायपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे नागपुर मंडल के गोंदिया स्टेशन पर प्लेटफॉर्म नंबर-3 (लाइन नंबर 5) के 'वॉशेबल एप्रन' को हटाकर 'बैलस्टेड ट्रैक' में बदलने का काम पूरा हो गया है। अब यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए कई रद्द की गई एक्सप्रेस ट्रेनों को तत्काल प्रभाव से बहाल कर दिया गया है। इसी के साथ गर्मी की छुट्टियों में बढ़ती भीड़ को देखते हुए नेताजी सुभाष चंद्र बोस इतवारी (नागपुर) और शालीमार (कोलकाता) के बीच साप्ताहिक समर स्पेशल ट्रेन चलाने का फैसला लिया गया है। नेताजी सुभाष चंद्र बोस इतवारी-शालीमार के बीच साप्ताहिक समर स्पेशल ट्रेन चलाने का ऐलान किया है। यह स्पेशल 02 अप्रैल से 25 जून 2026 तक चलेगी। ट्रेन संख्या 08865 (इतवारी -शालीमार) - दिन प्रत्येक गुरुवार तथा ट्रेन संख्या 08866 (शालीमार -इतवारी) प्रत्येक शुक्रवार चलेगी।

रायगढ़ में ट्रेलर की चपेट में आकर बाइक सवार युवक की मौत

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में ट्रेलर की टक्कर से बाइक सवार एक युवक की मौत हो गई। परिजनों की रिपोर्ट के बाद पुलिस ने ट्रेलर चालक के खिलाफ अपराध दर्ज करते हुए आगे की कार्रवाई की जा रही है। मिली जानकारी के अनुसार, शिव प्रसाद भगत निवासी बरभांठा चौक ने तमनार थाने में रिपोर्ट लिखाते हुए बताया कि उसका भांजा श्रीराम भगत कल दोपहर गोढ़ी में स्थित अपने मौसी घर जाने के लिए घर से निकला था। बाइक सवार श्रीराम भगत जब इंदीरा नगर वन विभाग ऑफिस के सामने पहुंचा ही था कि ट्रेलर चालक ने तेज एवं लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए टक्कर मार दी, जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई। बहरहाल परिजनों की रिपोर्ट के बाद तमनार पुलिस ट्रेलर चालक के खिलाफ अपराध दर्ज करते हुए आगे की कार्रवाई की जा रही है।

कांग्रेस नेता राजू पाल समेत 2 पर एफआईआर

भिलाई। दुर्ग जिले के भिलाई में मोहन रामटेके की आत्महत्या के मामले में पुलिस ने कार्रवाई की है। स्मृतिनगर थाना पुलिस ने मोहन के पास से मिले सुसाइड नोट के आधार पर दो लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस ने कांग्रेस नेता राजू पाल और सोनिया गोस्वामी के खिलाफ् मामला दर्ज किया है। घटना 28 मार्च की है। कमरे की तलाशी के दौरान पुलिस को एक सुसाइड नोट मिला, जिसमें मोहन ने अपनी मौत के लिए दो लोगों को जिम्मेदार ठहराया था।

दुर्ग के इंदिरा मार्केट में भीषण आग, चार दुकानों तक फैली, लाखों का सामान खाक

अग्रिशमन दल की 15 से ज्यादा गाड़ियों का पानी हुआ इस्तेमाल, शॉर्टसर्किट से आग लगने की आशंका

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग शहर के इंदिरा मार्केट में रविवार की रात को भीषण आग लग गई। जूते चप्पल की दुकान में लगी आर आसपास के चार दुकानों तक फैली। सूचना के बाद मौके पर पहुंची दमकल की गाड़ियों ने पांच घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। बताया जा रहा है कि हादसे से लाखों का नुकसान हुआ है। हालांकि नुकसान का आंकलन किया जा रहा है। आग लगने का कारण अज्ञात है। आशंका जताई जा रही है कि शार्ट सर्किट से आग लगी होगी।

मिली जानकारी के अनुसार इंदिरा मार्केट के जूता चप्पल की दुकान में अचानक आग लग गई। रात 10 बजे के आसपास की इस घटना की सूचना मिलते ही अग्निशमन दल मौके पर पहुंचा। जब

तक अग्निशमन दल पहुंचा तब तक आग ने तीन और दुकानों को भी अपनी चपेट में ले लिया। अग्निशमन कर्मियों द्वारा आगजनी स्थान पर पहुंचने पर देखा कि दुकान में भीषण आग लगी हुई है। अग्निशमन कर्मियों ने तत्काल दुकान का शटर खोल कर पानी डालकर आग बुझाने का कार्य शुरू किया गया और दूसरी टीम बिल्डिंग के अंदर घुसकर अपनी जान जोखिम में डालकर आग पर काबू पाया। आग पर काबू पाने में करीबन 4 से पांच घंटे का समय लगा। आग पर काबू पाने पन्द्रह से अधिक गाड़ियों की पानी का इस्तेमाल किया गया।

जिला अग्निशमन अधिकारी नागेंद्र सिंह के अनुसार शुरुआती जांच में आग लगने की मुख्य वजह शॉर्ट सर्किट हो सकती है। इस भीषण आग को काबू पाने पहुंची दमकल की टीम में सहायक फायर प्रभारी प्रवीण बारा, सहायक स्टेशन प्रभारी संतोष पाण्डेय, अग्निशमन दल प्रभारी धनु यादव, केशव यादव, घनश्याम यादव, अग्निशमन कर्मचारी संतोष मडरिया, राजूलाल, कुलेश्वर, उमाशंकर, टीकेश्वर, कमलेश, पराग, नितिन रामटेक, रमेश, हरीश आदि की सराहनीय भूमिका रही। एएसपी सिटी सुखनंदन राठौर ने बताया कि इंदिरा मार्केट में आग लगने की सूचना पर तुरंत पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची। जांच के बाद ही आग लगने का वास्तविक कारण स्पष्ट हो पाएगा। फ्लिहाल पुलिस और प्रशासन की टीम नुकसान का आकलन करने में जुटी है।

अंबिकापुर-दिल्ली सीधी फ्लाइट सेवा शुरू, 6500 रुपए किराया

2 अप्रैल से कोलकाता के लिए भी शुरू होगी हवाई सुविधा

श्रीकंचनपथ न्यूज

अंबिकापुर। छत्तीसगढ़ के अंबिकापुर से दिल्ली के लिए हवाई सेवा आज से शुरू हो गई है। इस सेवा का वर्चुअल शुभारंभ मुख्यमंत्री साय ने किया। कार्यक्रम पीजी कॉलेज के ऑडिटोरियम में आयोजित किया गया। सोमवार दोपहर 12 बजे मां महामाया एयरपोर्ट, दरिमा (अंबिकापुर) से दिल्ली के लिए पहली फ्लाइट रवाना हुई।

यह फ्लाइट सप्ताह में दो दिन सोमवार और बुधवार को संचालित होगी। इसके लिए 6500 रुपए किराया रखा गया है। सोमवार को अंबिकापुर से सीधे दिल्ली उड़ान भरी, जबकि बुधवार को यह फ्लाइट बिलासपुर होते हुए दिल्ली जाएगी। इस रूट पर 72 सीटों वाला एटीआर विमान लगाया गया है। इससे सरगुजा व बिलासपुर की कनेक्टिविटी बढ़ेगी।

इसके अलावा, अंबिकापुर से कोलकाता के लिए नई फ्लाइट 2 अप्रैल से शुरू होगी। यह सेवा सप्ताह में दो दिन गुरुवार और शनिवार को चलेगी। गुरुवार को फ्लाइट बिलासपुर होते हुए अंबिकापुर पहुंचेगी और फ्रि कोलकाता के लिए रवाना होगी, जबकि शनिवार को अंबिकापुर से बिलासपुर होते हुए कोलकाता के लिए उड़ान भरेगी।

छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने सांकेतिक भाषा में दी गवाही को मिली लीगल मान्यता

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय ने कहा है कि सांकेतिक भाषा के दुभाषिए की सहायता से दर्ज किए गए बयान आरोपी को दोषी ठहराने के लिए कानूनी रूप से मान्य हैं। अदालत ने यह टिप्पणी शारीरिक रूप से सक्षम महिला के साथ यौन उत्पीड़न के दोषी व्यक्ति की आजीवन कारावास की सजा को बरकरार रखते हुए की। मुख्य न्यायाधीश रमेश सिन्हा और न्यायमूर्ति रविंद्र कुमार अग्रवाल की दो सदस्यीय पीठ ने निचली अदालत के मार्च 2023 के फैसले को बरकरार रखते हुए आरोपी की अपील

खारिज कर दी। उच्च न्यायालय ने गौर किया कि निचली अदालत ने पीड़िता की गवाही को सुगम बनाने के लिए उचित कदम उठाए। जब पीड़िता को कुछ प्रश्न समझने में कठिनाई हुई, तो निचली अदालत ने समझाने के लिए एक प्लास्टिक की गुड़िया का इस्तेमाल किया और एक दुभाषिया को उसकी सहायता करने की अनुमति दी।

न्यायाधीशों ने पुष्टि की कि इस विधि से पीड़िता के बयान का महत्व कम नहीं हुआ, बल्कि इससे उसे अपनी बात को अधिक स्पष्ट और सटीक रूप से व्यक्त करने में मदद मिली। अदालत ने इस बात पर जोर दिया कि किसी व्यक्ति की सुनने या बोलने में असमर्थता उसकी गवाही को अमान्य नहीं करती, और यह भी कहा कि सांकेतिक भाषा में दुभाषिए की सहायता से दिए गए बयान दोषसिद्धि का आधार बन सकते हैं। अदालत ने यह भी पाया कि ऐसा कोई संकेत नहीं था कि पीड़िता किसी मानसिक अक्षमता के कारण घटना को समझने या उसका वर्णन करने में असमर्थ थी।

निर्यात ठप होने से तरबूज किसानों को भारी झटका

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। खाड़ी देशों में तरबूज के निर्यात पर ब्रेक लगने से छत्तीसगढ़ के किसानों को बड़ा आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। बेहतर उत्पादन और अंतरराष्ट्रीय बाजार से अच्छी कीमत की उम्मीद के बीच वैश्विक हालात, खासकर अमेरिका-ईरान तनाव के चलते निर्यात पूरी तरह प्रभावित हो गया है। इसका सीधा असर किसानों की आय पर पड़ा है।

प्रदेश से मुंबई और विशाखापत्तनम के जरिए संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी

अरब और ओमान जैसे देशों में तरबूज भेजा जाता था, लेकिन अब निर्यात बंद होने से फसल स्थानीय मंडियों में ही अटक गई है। इससे बाजार में आपूर्ति बढ़ गई और कीमतों में भारी गिरावट आ गई है।

इस वर्ष करीब 10 हजार एकड़ में तरबूज और 7 हजार एकड़ में खरबूज की खेती हुई है। रायपुर समेत कई जिलों में बड़े पैमाने पर उत्पादन हुआ। प्रति एकड़ औसतन 35 टन उत्पादन के हिसाब से कुल उत्पादन लगभग 5.88 लाख टन तक पहुंचा है। कीमतें गिरकर 7-8 हजार रुपये प्रति टन रह गई हैं, जबकि पिछले साल यह 20-25 हजार रुपये थी। इस तरह प्रति टन करीब 12 हजार रुपये का नुकसान हो रहा है, जिससे किसानों को कुल मिलाकर 300 करोड़ रुपये से अधिक की क्षति का अनुमान है।

छत्तीसगढ़ में 4 अप्रैल तक बारिश की संभावनाः बस्तर में असर ज्यादा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में अधिकतम तापमान सामान्य बना हुआ है। दिन में गर्मी महसूस की जा रही है। मौसम विभाग की माने तो अगले 3 दिनों तक तापमान में कोई विशेष बदलाव की संभावना नहीं है। लेकिन इसके बाद तापमान 2 से 3 डिग्री तक गिर सकता है। प्रदेश में आज कुछ जगहों पर हल्की बारिश की संभावना है। बिजली भी गिर सकती है और 40-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा चल सकती है। पिछले 24 घंटे की बात करें तो सबसे ज्यादा तापमान 40.5 डिग्री सेल्सियस राजनांदगांव में दर्ज किया गया। सबसे कम न्यूनतम तापमान 16.5 डिग्री सेल्सियस अंबिकापुर में रहा। पश्चिम बंगाल से ओडिशा तक बने ट्रफ के असर से प्रदेश के कुछ इलाकों में 4 अप्रैल तक आंधी-बारिश का अलर्ट जारी किया गया है।

डॉलर के मुकाबले रुपये की दमदार वापसी, 128 पैसे हुआ मजबूत

भारतीय रिजर्व बैंक के फैसले का दिखा असर

नईदिल्ली। लगातार गिरने के बाद भारतीय करेंसी यानी रुपए ने दमदार वापसी की है। सोमवार 30 मार्च को शुरुआती कारोबार में रुपया अपने अब तक के सबसे निचले स्तर से शानदार रिकवरी करते हुए 128 पैसे मजबूत हो गया। डॉलर के मुकाबले रुपया 93.57 के स्तर पर खुला, जो कि शुक्रवार के बंद भाव 94.85 के मुकाबले 1.3त्न की बड़ी बढ़त है। इस रिकवरी के पीछे आरबीआई के एक फैसले को कारण माना जा रहा है।

दरअसल डॉलर के मुकाबले लगातार कमजोर हो रहे रुपये को बचाने के लिए रिजर्व बैंक ने शुक्रवार देर रात बैंकों के लिए नए नियम जारी किए। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने बैंकों को निर्देश दिया है कि वे विदेशी मुद्रा बाजार में अपनी 'नेट ओपन पोजीशन' को 100 मिलियन डॉलर तक सीमित रखें। इसका मतलब है कि बैंक अब डॉलर की बहुत बड़ी होल्डिंग यानी सट्टेबाजी के लिए नहीं रख पाएंगे। बैंकों को यह नियम 10 अप्रैल तक लागू करना होगा। अनुमान है कि बैंकों के पास ऐसी पोजीशन 25 अरब डॉलर से लेकर 50 अरब डॉलर तक हो सकती है, जिसे अब उन्हें बाजार में बेचना होगा।

जानिए क्या है विशेषज्ञों की राय

सीआर फॉरेक्स एडवाइजर्स के एमडी अमित पाबरी के मुताबिक, बैंकों द्वारा पोजिशन कम करने की प्रक्रिया के चलते बाजार में डॉलर बिक सकता है, जिससे अल्पावधि में रुपये को राहत मिल रही है। हालांकि यह मजबूती मूलभूत आर्थिक बदलाव के बजाय तकनीकी कारणों से है। इसके बावजूद रुपये पर दबाव बना हुआ है। डॉलर इंडेक्स 100 के ऊपर बना हुआ है, जो वैश्विक स्तर पर डॉलर की मजबूती को दर्शाता है। वहीं कच्चे तेल की कीमतें भी ऊंचे स्तर पर हैं, जिससे भारत जैसे बड़े आयातक देश में डॉलर की मांग बढ़ती है और रुपये पर दबाव आता है।

गुजराती ब्रह्म समाज महिला मंडल रायपुर (छत्तीसगढ़)

रायपुर नगर निगम की महापौर श्रीमती मीनल चौबे जी से मुलाकात की और माताजी रवि रांदल के भव्य कार्यक्रम में आने का निमंत्रण दिया...।

संपादकीय

तारीफ तब ही होती है जब आदमी सफल होता है

विश्व राजनीति हो या देश की अंदरूनी राजनीति हो,किसी नेता की तब ही तारीफ की जाती है जब जो काम हाथ में लेता है, उसे पूरा करके दिखाता है। जो लक्ष्य तय किया उसे हासिल करके दिखाता है। जो कहा उसे करके दिखाता है। ऐसे नेता पर विश्व भी भरोसा करता है और देश भी भरोसा करता है। ऐसे नेता से ही यह उम्मीद की जाती है कि जो काम कोई और नेता नहीं कर पा रहा है, उसे यह नेता कर सकता है।उसके बारे में एक के बाद एक नेता कहते रहते हैं, उम्मीद जताते रहते हैं कि इस नेता को आगे आकर यह काम करना चाहिए।

> जब दुनिया के कई देश के नेता यह कहते हैं कि युध्द पीएम ही रुकवा सकते हैं तो यह देश के लोगों के लिए जहां गौरव की बात होती है वहीं कांग्रेस यह सुनकर जलभुन जाती है क्योंकि वह आज तक पीएम मोदी को असफल नेता मानती आई है और वह आए दिन हर मसले पर बयान देती रहती है कि पीएम मोदी इस मामले असफल है। पीएम मोदी विदेश नीति मामले में असफल हैं।

विश्व में इस समय ईरान,इजराइल व अमरीका के युध्द के कारण संकट में है। ऊर्जा सप्लाई बाधित होने से सभी देश कम ज्यादा प्रभावित हैं। ऐसे में विश्व के कई लोग कह चुके हैं कि पीएम मोदी ही यह युध्द रुकवा सकते हैं। उनको आगे आकर यह युध्द रुकवाने का प्रयास करना चाहिए।

जब दुनिया के कई देश के नेता यह कहते हैं कि युध्द पीएम ही रुकवा सकते हैं तो यह देश के लोगों के लिए जहां गौरव की बात होती है वहीं कांग्रेस यह सुनकर जलभुन जाती है क्योंकि वह आज तक पीएम मोदी को असफल नेता मानती आई है और वह आए दिन हर मसले पर बयान देती रहती है कि पीएम मोदी इस मामले असफल है। पीएम मोदी विदेश नीति मामले में असफल हैं। वह अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप के इस बयान पर तो यकीन करती है कि भारत पाक युध्द मैंने रुकवा दिया और पीएम मोदी पर आरोप लगाती है कि पीएम मोदी ने ट्रंप के सामने सरेंडर कर दिया। लेकिन वही ट्रंप जब यह कहते हैं कि विश्व में पीएम मोदी और मैं ही ऐसे दो नेता हैं जो काम हाथ में लेते हैं उसे पूरा करके दिखाते हैं।यह बात विश्व के और किसी नेता के बार में नहीं कही जा सकती। इस पर कांग्रेस यकीन नही करेगी, नहीं कहेगी की ट्रंप सच कह रहे हैं। कांग्रेस को ट्रंप तब सच कहते हुए लगते हैं जब उनके बयान के आधार पर पीएम मोदी को नीचा दिखाया जा सकता है,असफल बताया जा सकता हो। कांग्रेस तो ऐसे मौके की तलाश में रहती है जब वह पीएम को असफल बता सके। कंप्रोमाइस्ड नेता बता सके। हाल ही में कांग्रेस को ऐसा मौका फिर मिला जब अमरीका ने पाकिस्तान को ईरान से शांति वार्ता के लिए मैसेंजर की भूमिका सौंपी तो कांग्रेस की तरफसे कहा गया कि प.एशिया में शांति बहाली के लिए आतंकवादी गतिविधियों को बढ़ावा देने वाले पाकिस्तान का नाम सामने आना भारत की कूटनीतिक विफलता है। इससे पाकिस्तान विश्व मंच पर प्रासंगिक बनता जा रहा है। मोदी सरकार की कूटनीति,वैश्विक संपर्क और नैरेटिव प्रबंधन की कमजोरियों के कारण एक अस्थिर देश को पाकिस्तान को ब्रोकर की भूमिका मिल गई है। इससे भारत की विदेश नीति पर गंभीर सवाल खड़े होते हैं।

कांग्रेस भूल सकती है कि पाकिस्तान तो कठपुतली है, उससे जो कहा जाता है वह करता है। अभी अमरीका ने उससे कहा कि शांति की संदेश ईरान को देना है तो वह देने को तैयार हो गया। उसकी कोई स्वतंत्र विदेश नीति नहीं है इसलिए वह इंकार नहीं कर सकता। उसकी कोई हैसियत विश्व में नहीं है, इसलिए ईरान ने ही साफ कह दिया कि उसे पाकिस्तान पर भरोसा नहीं है। कहां कांग्रेस मान रही थी कि विश्व में पाकिस्तान को महत्व मिल रहा है, कहां ईरान ने बात करने से ही मना कर दिया। इससे कांग्रेस की सोच पर देश के लोगों को हंसी आती है कि देश की सबसे पुरानी पार्टी मोदी से नफरत से चलते देश को भी कई बार नीचा दिखाने से बाज नही आती है। वह पीएम मोदी को असफल बताने के लिए देश को असफल बताने लगती है। इस नफरत के कारण वह समझ नहीं पाती है कि पाकिस्तान शांति के लिए मध्यस्थ हो ही नहीं सकता। वह डाकिया हो सकता है। पाकिस्तान और भारत की कोई तुलना नहीं हो सकती। पाकिस्तान की कोई स्वतंत्र विदेश नीति नहीं है,जबकि भारत की स्वतंत्र विदेश नीति है। यही वजह है कि भारत अमरीका की कोई भी बात मानने से मना कर सकता है और फिर भी अमरीका भारत के पीएम की तारीफ कर सकता है।यह तारीफ इसीलिए होती है कि पीएम मोदी शांति व संवाद पर यकीन रखने वाले नेता हैं और वह दुनिया में शांति के लिए कई देशों से संवाद करते रहते है। वह हर देश से बात करने की क्षमता रखते हैं। हर देश उनकी बात सुनता भी है और मानता भी है क्योंकि वह विश्व के हित में बात करते है। जब युध्दरत देश शांति चाहेंगे तो ही मोदी पीसमेकर की भूमिका निबाहने सामने आएंगे।

दुश्मनों पर निगाह रहे और सभी से संवाद

ज्योति मल्होत्रा

कूटनीतिक दायरे में पाकिस्तान की अचानक बढ़ी मौजूदगी भारत की स्थिति को लेकर असहज करने वाले सवाल खड़े करती है। ऐसे में हमें अपनी विदेश नीति, संबंधों और स्थिति पर आत्म-मंथन की जरूरत है। यह भी कि अदना सा देश युद्धरत अमेरिका और ईरान के बीच मध्यस्थता की पेशकश करके भारत से आगे कैसे निकल गया व दुनिया उसकी सुन क्यों रही है?

विदेश मंत्री एस. जयशंकर बिल्कुल सही थे जब उन्होंने गत सप्ताह की शुरुआत में पश्चिम एशिया संकट पर हुई सर्वदलीय बैठक में कहा था कि 'भारत कोई दलाल देश नहीं है'। जयशंकर, जो खुद एक पूर्व राजनयिक हैं और शब्दों का महत्व समझते हैं, उन्होंने हिंदी शब्द 'दलाल' का उपयोग किया, जिसका अर्थ है बिचौलिया, जब विपक्षी नेताओं ने उनसे ईरान के खिलाफ अमेरिका और इस्राइल के चल रहे चार हफ़्ते लंबे युद्ध को खत्म करवाने में पाकिस्तान की भूमिका के बारे पूछा।

समझा जा सकता है कि जयशंकर गुस्से में थे। माननीय सांसद स्पष्ट पूछ रहे थे और, इस तरह - फ़ारस की खाड़ी में जारी संघर्ष में भारत की स्थिति की पाकिस्तान से तुलना कर रहे थे। ऐसा लगता है कि पाकिस्तान का सैन्य-प्रतिष्ठान, जिसकी अगुवाई डोनाल्ड ट्रंप के 'पसंदीदा फ़ील्ड मार्शल' आसिम मुनीर कर रहे हैं, ईरान और अमेरिका के बीच संदेशों का आदान-प्रदान कर रहा है, जिसने ट्रंप को 6 अप्रैल तक युद्ध विराम की घोषणा करने में मदद की है। पाकिस्तान ने वार्ताओं की मेज़बानी करने की पेशकश की है; तुर्कीए और मिस्र अन्य संभावित स्थल हैं।

किसी भी ढंग से देखें, पिछले 48 घंटों में पाकिस्तान वैश्विक सुर्खियों में अपनी जगह बना पाया है। हो सकता है कि आगामी हफ्तों में इसका नतीजा न निकले। क्या पता, ट्रंप अभी भी ईरान पर ज़मीनी हमले का आदेश दे दें। लेकिन सर्वदलीय बैठक में मौजूद उन सांसदों ने, जिन्हें अन्यथा मुख्यतया केरल, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल और असम में होने वाले आगामी चुनावों को लेकर ज्यादा चिंता है, स्पष्टतया भांप लिया कि कुछ तो गंभीर गड़बड़ है; सिर्फ इसलिए नहीं कि उनके घरों में प्रयोग होने वाले गैस सिलेंडरों की कीमतें बढ़ गई हैं।

स्पष्टत, जयशंकर को खफ़ा होने का हक है। पाकिस्तानी सैन्य-प्रतिष्ठान, जो दशकों से निर्दोष भारतीयों पर एक के बाद एक भयानक हमलों का सूत्रधार रहा है, मुंबई से लेकर पहलगाम तक, जिन्होंने बार-बार लोगों की जान ली है, इन जघन्य अपराधों के लिए उसकी जवाबतलबी होनी चाहिए, न कि दुनिया का सबसे शक्तिशाली व्यक्ति यानी अमेरिकी राष्ट्रपति उसकी तारीफ में कसीदे पढ़े। शायद यह भारत के लिए आत्म-मंथन करने का उचित अवसर है कि हम -एक प्राचीन और अद्वितीय सभ्यता के लोग— इस आधुनिक और तेज़ रफ़्तार दुनिया में आखिर किस दिशा की ओर आगे बढ़ रहे हैं। भारतीय लोग विदेश नीति के मुद्दों पर ज्यादा ध्यान नहीं देते- इसी से संतुष्ट हैं कि अटल बिहारी वाजपेयी, मनमोहन सिंह और नरेंद्र मोदी जैसे विभिन्न प्रधानमंत्री हमें विदेशों के बड़े और बुरे प्रभावों से ज़्यादातर सुरक्षित रखते रहे हैं।

कुछ बातें हम जानते हैं। पहली, कि भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है, भले ही प्रति व्यक्ति आय के मामले में (लगभग 2,700-3,000 डॉलर) हम देशों की सूची में 140वें स्थान पर हैं। दूसरी, भारतीय प्रवासियों का प्रभाव तेज़ी से बढ़ रहा है, खासकर अमेरिका में। और तीसरी, विश्व मंच पर भारत का मुख्य प्रतिद्वंद्वी चीन है, न कि छोटा सा पाकिस्तान।

तब फिर, अदना सा पाकिस्तान, युद्धरत अमेरिका और ईरान के बीच मध्यस्थता की पेशकश करके भारत से आगे क्यों निकल गया- इससे भी अहम यह कि दुनिया उसकी सुन क्यों रही है?

चलिए, एक कदम पीछे हटें। शायद हम गलत सवाल पूछ रहे हैं। सही सवाल यह नहीं कि क्या पाकिस्तान भारत से आगे निकलने में सफल रहा- वह खेल कई तरीकों से और कई मौकों पर खेला जा सकता है- बल्कि क्या भारत अपनी उस छवि पर टिक पाया है, एक ऐसा राष्ट्र, जिसके केंद्र में एक खास नैतिकता रही है; वह जिस पर हम स्वतंत्रता आंदोलन के समय से ही मजबूती से टिके रहे,जो कभी-कभार व्यावहारिक कारणों से थोड़ा भटक जाने की इजाज़त देता है (मसलन, जब नेतन्याहू गाज़ा पर बमबारी करते हैं या जब व्लादिमीर पुतिन यूक्रेन पर हमला करते हैं, तब चुप रहना), लेकिन फिर भी वह देश, जो किसी अनैतिक या अन्यायपूर्ण लड़ाई का समर्थन नहीं करता।

यही भारत की सबसे बड़ी ताकत है-अपनी धुरी की ओर लौटने की ज़रूरत। इसलिए, भले मेज़बान बेंजामिन नेतन्याहू द्वारा अमेरिका संग मिलकर ईरान को तबाह करने के मंसूबे से हवाई हमले का आदेश देने से दो दिन पूर्व मोदी इस्राइल गए थे, लेकिन सच यह कि मोदी सरकार को उसके बाद अमेरिका-इस्राइल का खुलकर पक्ष लेने वाली अपनी पूर्व स्थिति छोड़ने पर मजबूर होना पड़ा है। भारत ने शायद ट्रंप और नेतन्याहू की तरह ही सोचा था कि ईरान धरती के सबसे ताकतवर देशों का मुकाबला नहीं कर पाएगा।(भला किसकी हिम्मत है?) यह भी कि कि किसी भी सूरत में, अमेरिका-इस्राइल-यूएई त्रिकोण में उसके बहुत बड़े हित हैं- व्यापार, प्रवासी, रक्षा- और अपना शुरुआती रुख अपनाने से कुछ 'ब्राउनी पॉइंट्स' (अतिरिक्त लाभ) मिल सकेंगे।

बदकिस्मती से, वैसा हुआ नहीं। एक दुर्भाग्यपूर्ण और अन्यायपूर्ण युद्ध में एक पक्ष का साथ देकर,भारत ने उस 'मध्य मार्ग' को तज दिया, जिसकी सीख भारत के एक सपूत गौतम बुद्ध ने सदियों पहले दी थी। राजनीतिक रूप से दक्ष प्रधानमंत्री ने अवश्य उस व्यापक बेचैनी को भांप लिया होगा जो अमेरिकी मिसाइलों द्वारा ईरानी सर्वोच्च नेता अली खामेनेई की निर्मम हत्या के बाद फैली थी;या ईरान के मिनाब में एक स्कूल पर हुई बमबारी पर, जिस पर अंततः संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद में चर्चा जारी है। ऐसा नहीं कि भारतीय खामेनेई की कट्टर धार्मिकता या सोच के प्रशंसक थे;हमें रंज है कि कैसे एक-दो देश बेरोकटोक सारे नियम तोड़ रहे हैं।

और इसलिए, भले ही भारत ने खामेनेई की हत्या की सीधे तौर पर निंदा करने से परहेज़ किया, परंतु विदेश सचिव विक्रम मिसरी को दिल्ली स्थित ईरानी दूतावास में शोक-पुस्तिका पर हस्ताक्षर करने के लिए भेजा गया। तत्पश्चात, मोदी और जयशंकर दोनों ने ही क्रमशः ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेज़ेश्कियन और विदेश मंत्री अब्बास अराघची से फोन पर बात की-भले यह तेल से लदे भारत के जहाज़ों को 'फारस जलडमरूमध्य' से सुरक्षित गुज़रने में मदद करने के लिए ही क्यों न हो।

ईरान, जो भले ही लहूलुहान हुए पड़े हैं,पर झुके नहीं,इस खेल को और भी ज़्यादा सूझबूझ के साथ खेला है। वे जानते हैं कि भारतीय लोग -कश्मीर के आम लोग अपने ईरानी बंधुओं के लिए पैसे और गहने जमा कर रहे है, जबकि संभ्रांत वर्ग 'द ट्रिब्यून' जैसे अखबारों में अपने विचार लिख रहा है- सरकार के कदम से पूरी तरह सहज नहीं।

कदाचित् अब कुछ ईरानी मिसाइलों पर 'थैंक्यू, इंडिया...' लिखा हुआ है। गत सप्ताह हमें विदेश नीति की कई सीखें मिली। पहली सीख यह कि सभी पक्षों से संवाद रखें, भले ही आप उनसे सहमत न भी हों- इसलिए, ईरान और इस्राइल दोनों से; और यूएई तथा सऊदी अरब से। दूसरी सीख, सभी पक्षों की बात सुनें-भारतीयों को एक कारण से इसलिए भी यह जानकर हैरत हुई कि पाकिस्तान ने ईरान और अमेरिका के बीच मध्यस्थता करने की सफल कोशिश कर दिखाई, क्योंकि पाकिस्तानी मीडिया तक हमारी पहुंच अब नहीं रही; 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद से सभी अखबार, टीवी चैनल और कई एक्स अकाउंट प्रतिबंधित कर दिए थे। अगर आप पाकिस्तान के अंदर क्या चल रहा है, इस बारे में सिर्फ़ 'न्यूयॉर्क टाइम्स' और 'वॉल स्ट्रीट जर्नल' से जान पाते हैं, और पाकिस्तान के 'डॉन' या 'द न्यूज़' से नहीं, तो आपकी जानने-समझने की क्षमता सीमित रह जाएगी।

तीसरी सीख यह कि आपको अपने पसंदीदा चाणक्य को नियमित पढ़ने से मिलती है 'जहां आपको अपने दोस्तों को करीब रखना चाहिए वहीं अपने दुश्मनों को और भी ज़्यादा करीब रखना चाहिए'।

लेखिका 'द ट्रिब्यून' की प्रधान संपादक हैं।

हमारे बच्चे 'टेक नेक' या 'कॉस्मेटिकोरिक्सिया' से तो नहीं जूझ रहे?

एन. रघुरामन

कई वर्षों पहले पत्नी ने मेरी बेटी से कहा कि 'तुम अपनी उम्र से ज्यादा बड़ी लग रही हो।' बस, इस पर तो मेरे घर में तूफान आ गया। उन्होंने ऐसा इसलिए कहा, क्योंकि बेटी देर रात तक जागती थी, भारी वर्कआउट कर रही थी और थकी दिख रही थी।

लेकिन आप जानते हैं कि युवा पीढ़ी पैरेंट्स की बात को कैसे लेती है। फिर अगले कुछ महीने वो मेरे पास आकर पूछती रही कि 'क्या मैं ठीक लग रही हूं?' और मैंने उसकी ड्रेसिंग टेबल में कई नए कॉस्मेटिक प्रोडक्ट्स भी देखे।

मैं चुपचाप उनके पैसे देता रहा, क्योंकि कम से कम सुंदरता को लेकर तो इससे घर में शांति रहती थी। मुझे पता नहीं था कि इसे 'कॉस्मेटिकोरिक्सिया' कहते हैं। इसका अर्थ मैं शनिवार को जान पाया, जब मुझे पता चला कि इटली की अथॉरिटी फ्रेंच लक्जरी ग्रुप 'एनवीएमएच' के स्वामित्व वाले एक ब्यूटी रिटेलर और मेकअप ब्रांड इसे लेकर जांच कर रही है कि उसकी मार्केटिंग ने 'कॉस्मेटिकोरिक्सिया' को बढ़ावा दिया। यह युवतियों में स्किन केयर को लेकर एक प्रकार का बुरा जुनून है।

'द इटालियन कॉम्पिटिशन एंड मार्केट अथॉरिटी' ने कहा कि 'ये मार्केटिंग कैंपेन सोशल मीडिया के जरिए चलाए गए। इससे युवतियां विवश होकर ये प्रोडक्ट्स खरीदने लगीं।' ऐसा व्यवहार 'कॉस्मेटिकोरिक्सिया' कहलाता है।

अथॉरिटी के अनुसार कंपनियों ने कथित कपटपूर्ण मार्केटिंग स्ट्रेटजी अपनाई। इसमें कम उम्र के माइक्रो इन्फ्लुएंसर्स शामिल किए गए, जो खासकर संवेदनशील युवाओं को कॉस्मेटिक्स खरीदने को विवश कर सकते हैं।

नियामक संस्था का आरोप है कि कंपनी ने चेतावनी नहीं दी कि ये प्रोडक्ट्स 'बच्चों और किशोरों' के लिए नहीं हैं, बल्कि गुप्त मार्केटिंग स्ट्रेटजी के जरिए खरीद को बढ़ावा दिया। इधर, कंपनी ने कहा कि वह पूरी तरह से अथॉरिटीज का सहयोग करेगी।

जब मैंने यह बात आईटी क्षेत्र में बड़े पद पर कार्यरत अपने कजिन को बताई तो उन्होंने भी ऐसा ही किस्सा बताया। उनकी पत्नी ने 24 साल की ब्यूटी इन्फ्लुएंसर बेटी से कह दिया कि 'तुम्हारी गर्दन पर मुझसे ज्यादा झुर्रियां हैं।'

चूंकि गर्दन किसी की उम्र बताने का 'बेहद पुख्ता संकेत' होती है तो उनके घर में हंगामा हो गया। उन्हें बेटी को यह समझाने में छह महीने लगे कि इसका उसकी खूबसूरती से कोई लेना-देना नहीं, बल्कि असली दोषी तो टेक्नोलॉजी है। हम मानते हैं कि टेक्नोलॉजी एंग्जायटी बढ़ाने, अटेंशन कम करने और सामाजिक अलगाव के लिए ही जिम्मेदार है।

लेकिन कजिन ने बताया कि यह गर्दन की झुर्रियों के लिए भी जिम्मेदार है और इसे 'टेक नेक' कहते हैं। यहीं से मेरी खोज शुरू हुई। उम्र बढ़ने के साथ गर्दन पर कुछ आड़ी रेखाएं बनना सामान्य है, लेकिन लगातार स्मार्टफोन के इस्तेमाल से ये और अधिक? होती हैं। इसीलिए इसे 'टेक नेक' कहा जाता है।

इसमें जेनेटिक्स और नेचुरल एजिंग की भूमिका तो है, लेकिन मेडिकल प्रोफेशनल्स कहते हैं कि लगातार फोन का इस्तेमाल समस्या को बढ़ा सकता है। कैलिफोर्निया के कॉस्मेटिक डर्मेटोलॉजिस्ट कहते हैं कि ' कई लोग घंटों तक फोन पर रहते हैं और लगातार कम्प्यूटर पर नीचे देखते रहते हैं तो गर्दन की कुछ स्थायी लाइनें ज्यादा खराब हो जाती हैं।

इन निष्कर्षों ने मुझे मध्यप्रदेश की हर्बल कॉस्मेटिक उत्पाद बनाने वाली कंपनी 'देविकाज' की निदेशक बिंदिया खेर्ब के साथ हुई बातचीत याद दिला दी। उन्होंने बताया कि उनके सोशल मीडिया पेज के करीब एक-तिहाई फॉलोअर्स 23 साल से कम उम्र के किशोर युवा हैं। लेकिन वे गंभीर खरीदार नहीं हैं।

जब मैं उन्हें बता रहा था कि उनका आकलन गलत है तो एक वरिष्ठ प्रोफेसर बीच में कूद पड़े। उन्होंने बताया कि पिछले ही हफ्ते विशाखापट्टनम में पढ़ रहे उनके 17 साल के बेटे ने खेर्ब की कंपनी का प्रोडक्ट खरीदा। तभी उन्हें पता चला कि यह भोपाल की कंपनी है। फंडा यह है कि अगर आपके बच्चे बहुत ज्यादा कॉस्मेटिक प्रोडक्ट्स खरीद रहे हैं या आईने के सामने ज्यादा समय बिता रहे हैं तो चेक कीजिए कि कहीं वे 'टेक नेक' या 'कॉस्मेटिकोरिक्सिया' से तो नहीं जूझ रहे।

मानवता चुका रही संघर्षों-युद्धों की कीमत

सुरेश सेठ

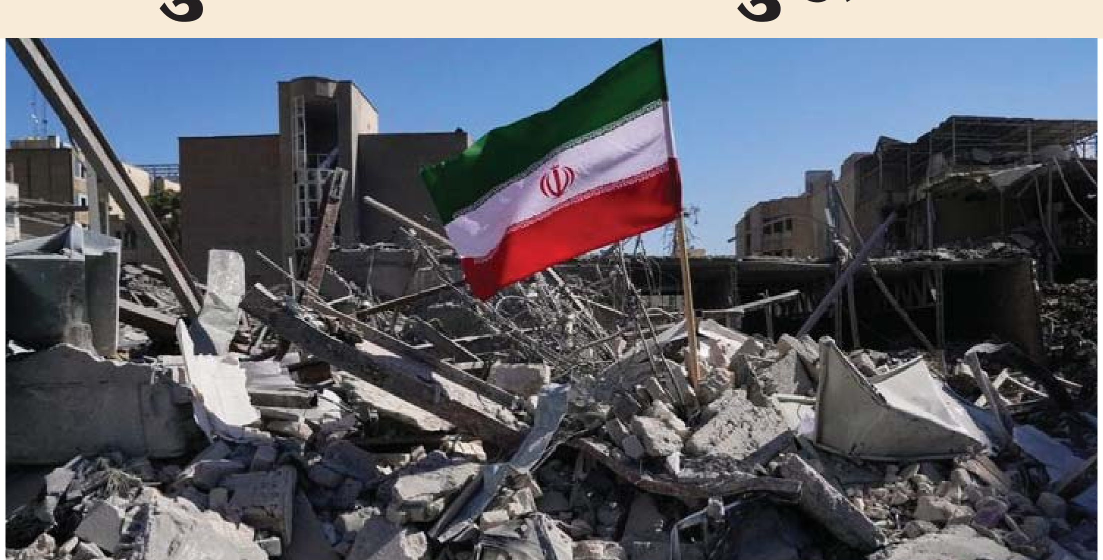

मौजूदा वैश्विक माहौल में यह स्पष्ट होता जा रहा है कि कई संघर्षों में नागरिकों, अस्पतालों और स्कूलों की सुरक्षा से जुड़े मानवीय सिद्धांतों की अनदेखी हो रही है। युद्ध व संघर्ष का सबसे अधिक दुष्प्रभाव आम लोगों पर पड़ रहा है।

समृद्ध देशों में स्थापित हथियार निर्माण उद्योग एक अत्यंत लाभकारी क्षेत्र बन चुका है। इन उद्योगों के कारण वैश्विक स्तर पर हथियारों की मांग बनी रहती है, और कई बार यह धारणा बनती है कि युद्ध और तनाव की स्थितियां इन उद्योगों के आर्थिक हितों को बढ़ावा देती हैं। परिणामस्वरूप, हथियारों के निर्यात से संबंधित देशों की अर्थव्यवस्था और सरकारी राजस्व को भी लाभ होता है।

आज दुनिया में यह धारणा प्रबल होती है कि हथियार उद्योग के आर्थिक हित विश्व के विभिन्न हिस्सों में संघर्षों के बने रहने से जुड़े रहते हैं। एक ओर शक्तिशाली देश शांति और संवाद की आवश्यकता पर जोर देते हैं, वहीं दूसरी ओर कई बार उनके कदम ऐसे दिखाई देते हैं जो संघर्षों को लंबा खींच देते हैं। विशेष रूप से खनिज संसाधनों से समृद्ध छोटे देशों में होने वाले युद्ध अक्सर लंबी अवधि तक चलते हैं, जिनका सबसे अधिक बोझ आम नागरिकों को उठाना पड़ता है। रूस द्वारा यूक्रेन के विरुद्ध शुरू किया गया युद्ध इसका एक प्रमुख उदाहरण है, जो खनिज संसाधनों और सामरिक हितों से जुड़ी जटिलताओं के कारण चार साल से जारी है। वर्तमान में अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प के कार्यकाल में उसका अहम् सर्वोपरि है। ईरान के तेल के कुओं पर अधिकार करने की उसकी मंशा वही है जो वेनेजुएला की तेल धन पर कब्जा करने की थी। लेकिन इनका अधिनायकवाद चाहे बाहरी तौर पर इस्राइल के लोगों की रक्षा करने के रूप में उभरता है, लेकिन असल खलिश यही है कि ईरान ने अपने ही तरीके से जीने की हिम्मत क्यों की? यहां भी आठ-दस दिनों में युद्ध निपटा देने की कल्पना की गई थी। पहले ही दिन ईरान की सर्वोच्च सत्ता को साफकर देने के बाद भी इस युद्ध का अंत अब तक नजर नहीं आता। अमेरिका को यह युद्ध नाको चने चबा गया है। वह खुद कह रहा है कि यह युद्ध लम्बा हो जाएगा, जिसका असंतोष अमेरिका के आम लोगों में भी अब नजर आने लगा है।

वर्तमान समय में विश्व के विभिन्न हिस्सों—जैसे गाजा पट्टी, ईरान और अफगानिस्तान—में चल रहे संघर्ष यह दर्शाते हैं कि युद्धों का दायरा लगातार फैल रहा है। पारंपरिक रूप से युद्ध के कुछ मानवीय नियम माने जाते रहे हैं, जिनके अनुसार संघर्ष केवल सेनाओं तक सीमित होना चाहिए और आम नागरिकों, अस्पतालों तथा विद्यालयों को इससे सुरक्षित रखा जाना चाहिए। किन्तु वर्तमान परिस्थितियों में यह देखा जा रहा है कि इन सिद्धांतों की अक्सर अनदेखी हो रही है, जिसके परिणामस्वरूप निर्दोष नागरिक, मरीज और बच्चे भी युद्ध की विभीषिका का शिकार बन रहे हैं।

आधुनिक मारक हथियारों से लैस युद्धरत देश मानवीय मूल्यों की परवाह किए बगैर हिंसा के साथ मौत बरसा रहे हैं। इस्राइल और अमेरिका की साझी सेनाओं ने गाजा पट्टी को नष्ट कर दिया। हाल के संघर्षों में नागरिक क्षेत्रों पर हमलों को लेकर गंभीर चिंताएं सामने आई हैं। ईरान से जुड़े घटनाक्रमों में स्कूलों और आम नागरिकों पर हमलों के आरोप लगे, जिनमें अनेक मासूमों की मृत्यु की खबरें सामने आईं, हालांकि संबंधित पक्षों ने इन दावों से इनकार किया और केवल सैन्य ठिकानों को निशाना बनाने की बात कही। इसी प्रकार, पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच बढ़ते तनाव में भी नागरिक हानि की खबरें आई हैं, जिनमें अस्पतालों पर हमले और बड़ी संख्या में हताहत होने के दावे शामिल हैं। वहीं दूसरी ओर, आधिकारिक स्तर पर इन दावों का खंडन किया गया है और सैन्य लक्ष्यों पर कार्रवाई की बात दोहराई गई है। इन घटनाओं ने एक बार फिर युद्ध के मानवीय नियमों और नागरिकों की सुरक्षा को लेकर गंभीर प्रश्न खड़े कर दिए हैं। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर यह मांग उठ रही है कि ऐसे मामलों की निष्पक्ष जांच हो और जिम्मेदार पक्षों के विरुद्ध उचित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। भारत ने अफगानिस्तान के काबुल स्थित अस्पताल पर कथित हमले की कड़ी निंदा करते हुए इसे नागरिकों के विरुद्ध अमानवीय कृत्य और संप्रभुता का उल्लंघन बताया है। संयुक्त राष्ट्र में भी इस प्रकार के हमलों पर चिंता जताई गई है।

वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में यह स्पष्ट होता जा रहा है कि कई संघर्षों में नागरिकों, अस्पतालों और स्कूलों की सुरक्षा से जुड़े मानवीय सिद्धांतों की अनदेखी हो रही है। युद्ध व संघर्ष का सबसे अधिक दुष्प्रभाव आम लोगों पर पड़ रहा है। इसी बीच चीन और ताइवान के बीच बढ़ते तनाव भी वैश्विक चिंता का विषय हैं। कुल मिलाकर, यह स्थिति दर्शाती है कि युद्ध केवल रणनीतिक या राजनीतिक मुद्दा नहीं रह गया है, बल्कि यह मानवीय मूल्यों और शांति के लिए गंभीर खतरा बनता जा रहा है। ऐसे समय में आवश्यक है कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय सक्रिय भूमिका निभाए, संवाद और कूटनीति को प्राथमिकता दे, तथा युद्धोन्माद को रोकने के लिए ठोस प्रयास करे, ताकि मानवता और वैश्विक शांति की रक्षा की जा सके।

लेखक साहित्यकार हैं।

चुप रहना आत्म-सम्मान को तिलांजलि देना

डॉनल्ड ट्रंप प्रशासन पर भरोसा करना कठिन होता चला गया है। वह ना तो द्विपक्षीय वार्ता के दौरान बनी सहमतियों पर कायम रहता है, और ना ही यह भरोसा रहता है कि वार्ता जारी रहने के दौरान वो कोई कार्रवाई नहीं करेगा।

भारत (एवं कुछ अन्य देशों) के खिलाफ अपने व्यापार कानून की धारा 301 के तहत जांच फिर शुरू करने का अमेरिका का फैसला सीधे तौर पर उस विश्वास पर चोट है, जिसके आधार पर द्विपक्षीय व्यापार समझौते के लिए वार्ता चल रही है।

अमेरिका का ट्रंप प्रशासन पहले ही व्यापार के सभी मान्य कायदों को तोड़ चुका है। उसने एकतरफा टैरिफ युद्ध छेड़ कर भारत जैसे देशों पर दबाव बनाया। साफ है, उस कारण शुरू हुई व्यापार वार्ता में जो सहमतियां बनीं, वह उस पर भी कायम नहीं है। चूंकि अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने मनमाना टैरिफ लगाने के राष्ट्रपति के अधिकार को संकुचित कर दिया, तो अब ट्रंप ने विभिन्न देशों को घेरने का नया हथकंडा अपनाया है।

भारत सहित 60 देशों के खिलाफ उसने यह जांच शुरू की है कि क्या उन देशों से अमेरिका में होने वाले उत्पादों को तैयार करने में जबरिया मजदूरी का इस्तेमाल किया जाता है। साथ ही कुछ क्षेत्र में कथित ओवर कैपिसिटी और अति उत्पादन जैसी संभावनाओं की जांच भी शुरू की गई है। अपने कानून के तहत अपने अधिकारियों द्वारा की गई जांच में जिन देशों को दोषी पाया जाएगा, ट्रंप प्रशासन उन पर टैरिफ या प्रतिबंध लगा सकेगा। आर्थिक शब्दावली में ऐसे कदमों को गैर-व्यापार रुकावटें माना जाता है। मुक्त व्यापार के दौर में एकतरफा ढंग से डाली गई ऐसी रुकावटों का कोई तर्क नहीं हो सकता।

दरअसल, डॉनल्ड ट्रंप प्रशासन का रुख ऐसा है कि उसकी जुबान पर भरोसा करना लगातार कठिन होता चला गया है। वह ना तो द्विपक्षीय वार्ता के दौरान बनी सहमतियों पर कायम रहता है, और ना ही यह भरोसा किया जा सकता है कि वार्ता जारी रहने के दौरान वो कोई कार्रवाई नहीं करेगा।

जबकि अंतरराष्ट्रीय सहमति, समझौते और व्यवहार में जो चीज सबसे अहम होती है, वह विश्वसनीयता ही है। इसलिए उचित होगा कि भारत अमेरिका के साथ जारी व्यापार वार्ता से बाहर निकल आए। या वार्ता जारी रखने के लिए कम-से-कम 301 जांच को खत्म करने की शर्त लगाए। भारत पहले ही अत्यधिक रियायतें दे चुका है। अब चुप रहना आत्म-सम्मान को तिलांजलि देना होगा।

ITR फाइल 500/-

Whatsapp पर बनवाएँ

Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस

हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।

www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ
छत्तीसगढ़

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110

प्रमुख खबरें

एसएमएस-2 विभाग में स्वच्छता पखवाड़ा के अंतर्गत व्यापक स्वच्छता अभियान

भिलाई। सेल–भिलाई इस्पात संयंत्र के स्टील मेल्टिंग शॉप–2 विभाग में 16 से 31 मार्च 2026 तक मनाए जा रहे स्वच्छता पखवाड़ा के अंतर्गत 28 मार्च 2026 को एक व्यापक स्वच्छता अभियान एवं जन–जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य कार्यस्थल पर स्वच्छता एवं सुरक्षित कार्य वातावरण को बढ़ावा देना तथा कर्मचारियों में स्वच्छता के प्रति सतत जिम्मेदारी की भावना को प्रोत्साहित करना था। इस अवसर पर विभागीय परिसर में स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाने एवं सामूहिक सहभागिता को प्रोत्साहित करने हेतु विभिन्न गतिविधियां संपन्न की गईं। इस अवसर पर वरिष्ठ अधिकारियों ने अपने संबोधन में स्वच्छता के महत्व पर प्रकाश डालते हुए सभी को अपने कार्यस्थल एवं आसपास के क्षेत्र को स्वच्छ बनाए रखने हेतु प्रेरित किया। स्वच्छता को केवल एक अभियान न मानकर दैनिक कार्य संस्कृति का अभिन्न हिस्सा बनाने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि स्वच्छ एवं सुव्यवस्थित कार्यस्थल न केवल उत्पादकता को बढ़ाता है, बल्कि औद्योगिक सुरक्षा मानकों को भी सुदृढ़ करता है। इसके उपरांत सभी उपस्थित अधिकारियों, कर्मचारियों एवं ठेका श्रमिकों ने स्वच्छता बनाए रखने हेतु सामूहिक शपथ ली।

बर्ड फ्लू को लेकर प्रशासन सचेत रहे : डॉ. प्रतीक उमरे

दुर्ग। दुर्ग नगर निगम के पूर्व एल्डरमैन भाजपा नेता डॉ. प्रतीक उमरे ने जिले में बर्ड फ्लू की संभावित आशंका को लेकर प्रशासन को सतर्क और सक्रिय रहने की सलाह दी है। उन्होंने कहा कि बिलासपुर में कोनी स्थित सरकारी पोल्ट्री फार्म में बर्ड फ्लू के मामले सामने आए हैं,ऐसे में दुर्ग जिले में भी एहतियाती कदम उठाना बेहद जरूरी है ताकि किसी भी प्रकार की जनहानि या पशुधन को नुकसान से बचाया जा सके। डॉ. प्रतीक उमरे ने कहा कि बर्ड फ्लू एक गंभीर संक्रामक बीमारी है,जो पक्षियों के माध्यम से फैलती है और समय रहते नियंत्रण नहीं किया गया तो यह आम लोगों और पशुपालकों के लिए खतरा बन सकती है।उन्होंने जिला प्रशासन,नगर निगम और पशुपालन विभाग से मांग की कि जिले के पोल्ट्री फार्म, मुर्गी बाजार, तालाबों और खुले क्षेत्रों में पक्षियों की नियमित जांच कराई जाए तथा संदिग्ध मामलों में तुरंत सैंपल जांच की व्यवस्था की जाए।उन्होंने कहा कि नगर निगम और स्वास्थ्य विभाग को संयुक्त रूप से जागरूकता अभियान चलाना चाहिए, जिससे पोल्ट्री व्यवसाय से जुड़े लोगों, किसानों और आम नागरिकों को बर्ड फ्लू के लक्षण, बचाव और सावधानियों की जानकारी मिल सके।बाजारों और पोल्ट्री दुकानों में साफ-सफाई, सैनिटाइजेशन और नियमित निरीक्षण की व्यवस्था सुनिश्चित किया जाना भी आवश्यक है। किसी क्षेत्र में मृत पक्षी या असामान्य स्थिति दिखाई देती है तो प्रशासन को तत्काल कार्रवाई करते हुए उस क्षेत्र को चिन्हित कर आवश्यक कदम उठाने चाहिए।

जिला अधिवक्ता संघ चुनाव की सरगर्मी तेज, प्रत्याशियों ने प्रचार-प्रसार में झोंकी ताकत

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। जिला अधिवक्ता संघ दुर्ग के दो वर्षीय कार्यकाल वाले प्रतिष्ठापूर्ण चुनाव के लिए अब एक हफ्ते से भी कम का समय शेष रह गया है। फ्लस्वरुप चुनाव को लेकर सरगर्मी तेज हो गई है। शुक्रवार को नामांकन वापसी के अंतिम दिन किसी भी प्रत्याशी द्वारा अपना नामांकन वापस नहीं लिया गया। जिससे चुनाव में अब प्रत्याशियों की स्थिति स्पष्ट हो गई है। कुल 17 पदों के लिए 64 प्रत्याशी चुनाव में अपना भाग्य आजमाएंगे। 4 अप्रैल को मतदान के लिए तिथि नियत है। लिहाजा सभी पदों के प्रत्याशी प्रचार–प्रसार में एड़ी चोटी का जोर लगाए हुए है। इस चुनाव में संघ के चार पूर्व अध्यक्ष नीता जैन, गिरीशचंद शर्मा, रमेश शर्मा, गुलाब सिंह पटेल एक बार फिर चुनाव मैदान में है।

लगातार चार बार सचिव रहे रविशंकर सिंह एवं कोषाध्यक्ष पद पर अनिल जायसवाल चुनाव लड़ रहे हैं। वहीं सह सचिव पद पर कृष्णराज चंदेल (छोटू) ने दावेदारी की। इसके अलावा विभिन्न पदों पर प्रत्याशियों द्वारा चुनावी मैदान में अपनी ताल ठोकी गई है। इस चुनाव में अध्यक्ष पद के मधुप शर्मा, रमेश कुमार शर्मा, श्रीमती संगीता सिंह, उमा भारती साहू, गिरीशचंद्र शर्मा, गुलाब सिंह पटेल, कु. नीता जैन, देवेन्द्र कुमार गुप्ता,वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद दिनेश सिंह राजपुत, ब्रजेश कुमार शुक्ला, चन्द्रकांत चंदेल, नीरज सिंह राठौर, पंडित अजय मिश्रा, प्रशान्त कुमार जोशी, प्रमोद फिलीप, कनिष्ठ उपाध्यक्ष 1 पद (महिला हेतु आरक्षित) कु. रेखा राय, श्रीमती पूजा मोगरी, जया कुमारी, कु. गुंजा सोनी, कु. ललिता जोशी, सचिव पद हेमन्त कुमार मिश्रा, विजय कुमार चौधरी, रविशंकर सिंह, सह सचिव कृष्णराज चंदेल, राकेश यादव, सुमीत रंजन दत्ता, राकेश यदु, सह सचिव 1 पद (महिला हेतु आरक्षित) पूनम ताम्रकार, कुमारी संध्या, श्रीमती शशी यादव, कोषाध्यक्ष 1 पद साकेत आर. मिश्रा, अमित कुमार अग्ने, प्रशांत अग्रवाल, अनिल जायसवाल, ग्रंथालय सचिव 1 पद ज्ञान प्रकाश तिवारी, अजय कुमार शर्मा, ढाल सिंह देवांगन, सांस्कृतिक एवं क्रीड़ा सचिव 1 पद गुरमीत सिंह भोगल, रविशंकर मानिकपुरी, सांस्कृतिक एवं क्रीड़ा सचिव 1 पद (महिला हेतु आरक्षित) मोनिका सिंह, कुमारी किरण गुप्ता, कु. दशोदा प्रत्याशी है। इसी प्रकार कार्यकारिणी सदस्य कुल 5 पद राजकिशोर गुप्ता, अर्पणा मुखर्जी, शिवकुमार उके, अनामिका गुहा राय, श्रीमती बाली ठाकरे, पुष्पा मैरिसा, श्रीमती गायत्री उपाध्याय इस चुनाव में अपना किस्मत आजमा रहे है।

जिला सहकारी बैंक को मिलेगा नया भवन मंत्री गजेन्द्र यादव ने किया भूमिपूजन

सहकारिता को सशक्त करने की दिशा में एक और कदम - गजेन्द्र यादव

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्या. दुर्ग के मुख्यालय में नवीन भवन के निर्माण हेतु भूमिपूजन कार्यक्रम का आयोजन संपन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि केबिनेट मंत्री गजेन्द्र यादव शामिल हुए और उन्होंने कहा की लगभग ?2.77 करोड़ की लागत से निर्मित होने वाला यह आधुनिक भवन क्षेत्र के किसानों, खाताधारकों एवं आमजन को बेहतर एवं सुलभ बैंकिंग सुविधाएं उपलब्ध कराएगा।

नवीन भवन के निर्माण से सहकारिता क्षेत्र को नई मजबूती मिलेगी, साथ ही किसानों के आर्थिक सशक्तिकरण को भी बढ़ावा मिलेगा।

बरसो पुराने बने जिला सहकारी केंद्रीय बैंक का नवीन भवन बनाने सालों से मांग की जा रही थी। भूमिपूजन कार्यक्रम उपस्थितजन को संबोधित करते हुए केबिनेट मंत्री गजेन्द्र यादव ने कहा कि सहकारिता केवल एक व्यवस्था नहीं, बल्कि एक सशक्त विचारधारा है, जो सबका साथ, सबका विकास के मूल मंत्र को साकार करती है। सहकारिता के माध्यम से छोटे और सीमांत किसान भी संगठित होकर अपनी आर्थिक स्थिति को मजबूत कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा की भारत की ग्रामीण अर्थव्यवस्था का आधार सहकारिता है।

जब किसान, मजदूर और आमजन एक साथ मिलकर कार्य करते हैं, तो विकास की गति कई गुना बढ़ जाती है। सहकारी बैंक किसानों को सरल ऋृण सुविधा, बीज, खाद एवं अन्य आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। बिन सहकार, नहीं उद्धार केवल एक नारा नहीं, बल्कि ग्रामीण विकास का मूल सिद्धांत है।

भूमिपूजन में सहकारी बैंक के अध्यक्ष प्रीतपाल बेलचंदन, उपाध्यक्ष नरेश यदु, भाजपा प्रदेश संयोजक शिव चंद्राकर, जिलाध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक, जिला महामंत्री दिलीप साहू, जिला उपाध्यक्ष शिवेंद्र परिहार, महापौर श्रीमती अलका बाघमार, जिला पंचायत सदस्य पवन शर्मा, जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती कुलेश्वरी देवांगन, बैंक के सीईओ सुनील वर्मा, पार्षदगण एवं मंडल अध्यक्षगण सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

विधायक ललित चंद्राकर ने सुनी 'मन की बात' की 132वीं कड़ी

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने निवास स्थान में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' की 132वीं कड़ी सुनी और इसे राष्ट्र निर्माण के लिए प्रेरणादायी बताया। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम देश के कोने–कोने में हो रहे सकारात्मक नवाचारों और जनभागीदारी को राष्ट्रीय मंच प्रदान कर समाज में नई ऊर्जा और प्रेरणा का संचार करता है। विधायक ललित चंद्राकर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा कोरिया जिले के किसानों के जल संरक्षण प्रयासों की सराहना छत्तीसगढ़ के लिए अत्यंत गर्व और प्रेरणा का विषय है। यह दर्शाता है कि प्रदेश में जमीनी स्तर पर हो रहे कार्य अब राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बना रहे हैं।

उन्होंने कहा कि 'आवा पानी झोंकी' जैसे अभिनव मॉडल के माध्यम से किसानों ने अपने खेतों में रिचार्ज तालाब और सोख्ता गड्ढों का निर्माण कर वर्षा जल को सहेजने का सराहनीय कार्य किया है। यह जनभागीदारी आधारित पहल आज भूजल स्तर में सुधार की एक सशक्त मिसाल बन चुकी है और अन्य क्षेत्रों के लिए भी मार्गदर्शक बन रही है।

विधायक ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जल संरक्षण अब एक जन आंदोलन का रूप ले चुका है और छत्तीसगढ़ में भी इसे जनभागीदारी से जोड़ते हुए व्यापक स्तर पर कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने प्रदेशवासियों से जल संरक्षण को अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने और इसमें सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया।

श्री चंद्राकर ने कहा कि जनभागीदारी की शक्ति के साथ जल संरक्षण को और मजबूत कर छत्तीसगढ़ को सुरक्षित, समृद्ध और जल–संपन्न भविष्य की ओर ले जाने के लिए राज्य सरकार पूरी तरह प्रतिबद्ध है तथा प्रदेश निरंतर नवाचार, सहभागिता और सुशासन के माध्यम से विकास की नई दिशा तय कर रहा है।

'समाधान योजना 2026' के तहत शिविर आयोजित, 215 उपभोक्ताओं ने लिया लाभ

दुर्ग। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड, दुर्ग क्षेत्र के अंतर्गत बेमेतरा संभाग के नवागढ़ उपसंभाग के अधीनस्थ आने वाले पाँच वितरण केंद्रों के विभिन्न ग्रामों में 'समाधान योजना 2026' के तहत विशेष शिविरों का आयोजन किया गया। इन शिविरों का मुख्य उद्देश्य बिजली बिल संबंधी समस्याओं का निराकरण करना और बकाया राशि पर उपभोक्ताओं को राहत प्रदान करना था। इन शिविरों में कुल 215 पात्र उपभोक्ताओं ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लेते हुए बिजली बिल में छूट और किस्तों की सुविधा प्राप्त करने हेतु अपना पंजीयन कराया। योजना के सफल क्रियान्वयन हेतु विभागीय अधिकारियों ने स्वयं ग्राम स्तर पर उपस्थित होकर मोर्चा संभाला। नवागढ़ वितरण केंद्र के ग्राम गाडामोर में सहायक अभियंता नवीन कुमार वर्मा, अंधियारखोर वितरण केंद्र के ग्राम बाघुल में कनिष्ठ अभियंता मोहन दास बैरागी, संबलपुर वितरण केंद्र के ग्राम गोढ़ीकला में कनिष्ठ अभियंता अनिल चंद्राकर, नांदघाट वितरण केंद्र के ग्राम मलदा में कनिष्ठ अभियंता हरीश फरवी तथा मारो वितरण केंद्र के ग्राम झुलना में सहायक अभियंता श्रीमती पिंकी पांडेय द्वारा उपभोक्ताओं को योजना के लाभों की विस्तृत जानकारी दी गई।

लोकतंत्र के चौथे स्तम्भ को और अधिक सुदृढ़, विश्वसनीय और जनोन्मुखी बनाएं- राज्यपाल

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। राज्यपाल रमेन डेका ने कहा कि लोकतंत्र में व्यवस्थापिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका के बाद पत्रकारिता को चतुर्थ स्तंभ माना गया है। उन्होंने कहा कि पत्रकारिता केवल एक व्यवसाय नहीं, बल्कि एक मिशन और साधना है। समाज का दर्पण कहलाने वाली पत्रकारिता ने सदैव जनता और सत्ता के बीच संपर्क–सेतु की भूमिका निभाई है और लोगों को जागरूक किया है।

इसलिए इसे लोकतंत्र का चौथा स्तंभ कहा जाता है। राज्यपाल डेका भिलाई सेक्टर 4 स्थित एस.एन.जी. ऑडिटोरियम में आयोजित छत्तीसगढ़ जर्नलिस्ट यूनियन के प्रादेशिक पत्रकार सम्मेलन और सम्मान समारोह को मुख्य अतिथि की आंसदी से सम्बोधित कर रहे थे। इससे पूर्व उन्होंने उत्कृष्ट कार्य करने वाले पत्रकारों को सम्मानित किया। राज्यपाल श्री डेका ने इस अवसर पर महिला पत्रकारों को उनकी उत्कृष्ट लेखनी के लिए सम्मानित किया, जिसमें शगुफ्ता शीरीन, अनुभूति भाखरे, कोमल धनेसर, साक्षी सोनी शामिल है। इसी प्रकार समाज सेवी महिलाओं साधना चतुर्वेदी, अंजना श्रीवास्तव, लता बौद्ध, दीप्ति सिंग, सुनीता जैन को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

राज्यपाल डेका ने वर्तमान चुनौतियों का जिक्र करते हुए अवगत कराया कि आज पत्रकारिता एक कठिन दौर से गुजर रही है। सोशल मीडिया के विस्फोट ने सूचना के प्रवाह को लोकतांत्रिक तो बनाया है, लेकिन साथ ही विश्वास का गंभीर संकट भी खड़ा किया है। फेसबुक, व्हाट्सएप और यूट्यूब जैसे प्लेटफॉर्म्स पर हर व्यक्ति 'पत्रकार' बन चुका है और सत्यापन से पहले ही समाचार वायरल हो जाते हैं। उन्होंने चिंता जताते हुए कहा कि 'फेक न्यूज' और 'डीपफेक' ने सच और झूठ के बीच की रेखा धुंधली कर दी है। इन सबके बीच आज भी प्रिंट मीडिया ने अपनी विश्वसनीयता को कायम रखा है। राज्यपाल डेका ने कहा कि इन चुनौतियों का सामना करने के लिए पत्रकारिता को अपने मूल आदर्शों की ओर लौटना होगा।

एक स्वस्थ पत्रकारिता ही एक स्वस्थ लोकतंत्र की नींव है। उन्होंने इस चौथे स्तंभ को और अधिक सुदृढ़, विश्वसनीय और जनोन्मुखी बनाने का आह्वान किया। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ जर्नलिस्ट यूनियन के प्रदेशाध्यक्ष ईश्वर दुबे, सचिव सतीश बौद्ध एवं अन्य पदाधिकारी और राजाराम त्रिपाठी, प्रो. संजय त्रिवेदी, वरिष्ठ पत्रकार गिरीश पंकज सहित बड़ी संख्या में छत्तीसगढ़ जर्नलिस्ट यूनियन के पत्रकार उपस्थित थे।

भगवान महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव के चिकित्सा शिविर में 1500 लोगों ने कराया स्वास्थ्य जांच

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। दुर्ग भगवान महावीर जन्म कल्याण महोत्सव समिति दुर्ग द्वारा महावीर जैन विद्यालय शिक्षक नगर दुर्ग में निशुल्क चिकित्सा शिविर एवं रक्त दान शिविर शिविर का आयोजन ऋषभदेव परिसर चंडी मंदिर रोड दुर्ग में आयोजन किया गया था आज 29 मार्च रविवार को आयोजित होने वाले चिकित्सा शिविर में 1500 लोगों ने अपना पंजीयन कराया। चिकित्सा शिविर के प्रभारी डॉ नीलम कोठारी एवं प्रमुख मार्गदर्शक मनीष पारख के मार्गदर्शन में निशुल्क चिकित्सा एवं जांच शिविर का आयोजन किया गया था।

ऋषभदेव परिसर में आओ जीत रक्तदान शिविर में जैन समाज की महिलाओं में खासा उत्साह दिखा युवा समुदाय भी रक्तदान शिविर में बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया आज के रक्तदान शिविर में 230 लोगों ने रक्तदान कर जीवनदान का संकल्प दोहराया इस कार्यक्रम में डोनेट थोड़ा सा नव दृष्टि फाउंडेशन की टीम सेवा कार्य में लगी थी।

चिकित्सा शिविर में शिशु रोग कैंसर रोग नेत्र रोग दंत रोग हृदय रोग चर्म रोग हड्डी रोग शुगर रोग पेट रोग स्त्री रोग नाक कान गला रोग के विशेषज्ञ डॉक्टर अपनी सेवाएं दिये।

भगवान महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव समिति दुर्ग ने शानदार चिकित्सा शिविर में का आयोजन में बड़ी संख्या में मरीज चिकित्सा के लिए आए थे जहां उन्हें डॉक्टर के परामर्श के बाद निशुल्क पैथोलॉजी जांच एवं दवा वितरण भी का साथ साथ किया गया हृदय रोग विशेषज्ञ डॉक्टर के द्वारा एक की सुविधा भी तुरंत उपलब्ध थी। जैन समाज के विशेषज्ञ चिकित्सकों विभिन्न बिमारियों के विशेषज्ञ चिकित्सक मरीजों की चिकित्सा की जा रही। महावीर धर्मार्थ पैथोलॉजी लैब शनिचरी बाजार दुर्ग में आज वहां होने वाली सभी पेथालाजी जांच एवं एक्स–रे निशुल्क रखी गई थी।

नेत्र जांच एवं दंत चिकित्सा के विशेषज्ञ डॉक्टर भी जांच के उपरांत दांत की चिकित्सा एवं चश्मा वितरण का कार्य भी कर रही थी इस नेत्र चिकित्सा शिविर के संचालन महावीर इंटरनेशनल कॉन्टिनेंटल ऑर्गेनाइजेशन दुर्ग शाखा द्वारा आयोजित किया गया था। इस चिकित्सा शिविर में दंत चिकित्सा हेतु मैत्री डेंटल डॉक्टरों की टीम विशेष रूप से उपलब्ध रही बहुत बड़ी संख्या में दांत से जुड़ी गंभीर समस्या और उसके निराकरण के लिए डॉक्टरी परामर्श दिया गया मेत्री डेंटल कालेज के डाक्टरों एवं टेक्नीशियन की टीम ने इस सेवा कार्य में भरपूर सहयोग किया। गया नगर दुर्ग से मेघ गंगा ग्रुप के निर्देशन एवं आतिथ्य में आयोजित अहिंसा रेली में आज सबसे ज्यादा उत्साह देखा गया। गया नगर दुर्ग से चंडी मंदिर शिवपारा कांग्रेस भवन शनिचरी बाजार गंजपारा होते हुए नसिया जी तीर्थ क्षेत्र में इस अहिंसा यात्रा का समापन हुआ साथ ही जीव दया ग्रुप के द्वारा संचालित चलित प्याऊ सेवा की योजना का भी शुभारंभ हुआ कार्यक्रम में पधारे सभी लोगों के गौतम प्रसाद की व्यवस्था मेघ गंगा ग्रुप के द्वारा की गई थी।

आज रात्रि 8:00 बजे अंतर्राष्ट्रीय प्रेरक वक्ता डा उज्जवल पाटनी का वक्तव्य होगा जिसमें हजारों की संख्या में जैन समाज के लोग शामिल होंगे।

Since 1972
CROWN-TV®
Choice Of Millions
Washing Machine / Cooler
Available All Size

CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 22
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line

प्रमुख खबरें

असम के तैराकों ने राज्यपाल रमेन डेका से की सौजन्य भेंट

रायपुर। छत्तीसगढ़ में आयोजित खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स 2026 प्रतियोगिता में भाग लेने आए असम राज्य के तैराक खिलाड़ियों ने आज यहां लोक भवन में राज्यपाल श्री रमेन डेका से सौजन्य मुलाकात की। खिलाड़ियों ने प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए कुल 9 पदक जीतकर फर्स्ट रनर-अप का स्थान हासिल किया है। राज्यपाल श्री डेका ने खिलाड़ियों की इस उपलब्धि पर उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि खेलों में अनुशासन, समर्पण और टीम भावना से ही ऐसी सफलता हासिल होती है। राज्यपाल ने खिलाड़ियों को भविष्य में भी बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रोत्साहित किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर खिलाड़ियों के साथ असम स्विमिंग एसोसिएशन के संयुक्त सचिव दिव्य ज्योति शर्मा, तकनीकी अधिकारी जान मनी बोरा तथा कोच भी उपस्थित रहे।

दल्लीराजहरा में प्लेटफॉर्म विस्तार से यात्रियों को मिलेगी सुविधा

दल्लीराजहरा। प्लेटफॉर्म विस्तार एवं नए प्लेटफॉर्म के निर्माण से यात्रियों की सुविधा में उल्लेखनीय वृद्धि होती है। इससे ट्रेनों के आगमन और प्रस्थान में सुगमता आती है, भीड़-भाड़ कम होती है तथा यात्रियों को चढ़ने-उतरने में अधिक सुविधा मिलती है। इसके अतिरिक्त, अधिक ट्रेनों के संचालन की क्षमता बढ़ती है, जिससे समयबद्धता में सुधार होता है और यात्रियों को बेहतर एवं सुरक्षित यात्रा अनुभव प्राप्त होता है। इसी कड़ी में रायपुर रेल मंडल ने यात्रियों की सुविधा के लिए दुर्ग- दल्लीराजहरा सेक्शन में 08 स्टेशनों के प्लेटफार्म की लंबाई को बढ़ाया जा रहा है ताकि 12 कोच की मेमू ट्रेन भी खड़ी हो सकेगी। यह कार्य सेंक्शन हो चुका है जो लगभग 10.78 करोड़ रुपए की लागत से पूर्ण होगा। इसमें स्टेशन मरौदा, पउवारा, रिसामा, गुंडरदेही, सिकोसा, लाटाबोर, भैंसबोर्ड, सलाईटोला शामिल हैं। यात्रियों की सुविधा के लिए बालोद स्टेशन, दल्लीराजहरा, भानुप्रतापपुर, गुदुम स्टेशनों पर दूसरा प्लेटफार्म बनाने की योजना भी स्वीकृत हो चुकी है।

हिरणों का शिकार : वन्यप्राणियों की सुरक्षा के लिए सख्ती, वन क्षेत्रों में आवारा कुत्तों के प्रवेश पर रोक

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। वन क्षेत्रों और वन्यजीव अभयारण्यों में आवारा कुत्तों के प्रवेश पर रोक लगाने के लिए वन विभाग ने सख्ती बढ़ा दी है। हाल ही में छत्तीसगढ़ के अंबिकापुर में आवारा कुत्तों द्वारा हिरणों को मार डालने की घटना के बाद एहतियातन यह कदम उठाया गया है।

छत्तीसगढ़ में वन्यप्राणियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए वन विभाग ने वन क्षेत्रों में आवारा कुत्तों के प्रवेश पर सख्ती बढ़ा दी है। प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यप्राणी) श्री अरुण कुमार पाण्डेय ने इस संबंध में सभी क्षेत्रीय अधिकारियों को आवश्यक निर्देश जारी किए हैं।

उल्लेखनीय है कि यह निर्णय सरगुजा वनमंडल के अंबिकापुर स्थित संजय वाटिका में 20-21 मार्च की रात हुई घटना के बाद लिया गया

है, जिसमें आवारा कुत्तों ने बाड़े में घुसकर 15 शाकाहारी वन्यप्राणियों को मार दिया था। इस घटना की जांच के लिए पहले ही उच्च स्तरीय समिति गठित की जा चुकी है।

राष्ट्रीय व्याघ्र संरक्षण प्राधिकरण द्वारा जारी मानक संचालन प्रक्रिया का सख्ती से पालन किया जाएगा। इसके लिए अगले दो सप्ताह में वन विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों को विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा।

वन क्षेत्रों के पास स्थित गांवों में पालतू कुत्तों को विशेष रंग के पट्टे (कॉलर) पहनाए जाएंगे, ताकि उनकी पहचान हो सके। यदि कोई पालतू कुत्ता वन क्षेत्र में पाया जाता है, तो उसके मालिक के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

आवारा कुत्तों को पकड़ने और उनके प्रबंधन के लिए एनिमल वेलफेयर बोर्ड ऑफ इंडियाके दिशा-निर्देशों का पालन किया जाएगा।

लखीराम अग्रवाल टी-20 क्रिकेट बना युवा प्रतिभाओं के लिए सशक्त मंच : साय

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय आज बिलासपुर स्थित राजा रघुराज सिंह स्टेडियम में लखीराम अग्रवाल स्मृति टी-20 ड्यूस बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता के समापन समारोह में शामिल हुए। उन्होंने खिलाड़ियों से परिचय लेकर उनका हौसला बढ़ाया और जिले के खेल प्रेमियों को बधाई दी। प्रतियोगिता में देश के 8 राज्यों की टीमों ने भाग लिया, जिसमें कई खिलाड़ी रणजी ट्रॉफी तथा आईपीएल जैसे बड़े मंचों पर अपना हुनर दिखा चुके हैं। समापन मैच में छत्तीसगढ़ क्रिकेट संघ और खड़गपुर के बीच फाइनल मुकाबला खेला गया।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने अपने संबोधन में कहा कि स्वर्गीय लखीराम अग्रवाल जी की स्मृति में आयोजित यह प्रतियोगिता अत्यंत सराहनीय पहल है। उन्होंने कहा कि स्वर्गीय लखीराम अग्रवाल जी से उनका विशेष आत्मीय संबंध रहा है। उन्होंने जीवन भर अद्भुत धैर्य और संघर्ष का परिचय दिया। उन्होंने कभी अपने सिद्धांतों से समझौता नहीं किया और समाज सेवा के कार्यों में अपना जीवन समर्पित कर दिया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि वे राज्यसभा सांसद के रूप में भी लंबे समय तक सक्रिय रहे। आज उनकी स्मृति में आयोजित इस टी-20

प्रतियोगिता में देश के 8 राज्यों से खिलाड़ी भाग ले रहे हैं और 9 दिनों तक चले इस आयोजन ने बिलासपुर के खेल प्रेमियों को एक नया उत्साह दिया है। उन्होंने कहा कि बिलासपुर के लोग क्रिकेट के प्रति विशेष लगाव रखते हैं और बड़ी संख्या में मैदान में उपस्थित होकर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रदेश में खेलों के विकास के लिए किए जा रहे प्रयासों का उल्लेख करते हुए कहा कि केंद्र सरकार की खेलो इंडिया योजना के तहत प्रदेश में खेल अधोसंरचना और प्रशिक्षण को बढ़ावा दिया जा रहा है। अभी हमारा प्रदेश खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स की मेजबानी भी कर रहा है। बस्तर ओलंपिक और सरगुजा ओलंपिक जैसे आयोजनों में लाखों खिलाड़ी भाग ले रहे हैं, जो प्रदेश की खेल प्रतिभा को नई दिशा दे रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार ने देश के दूसरे और दुनिया के चौथे सबसे बड़े क्रिकेट स्टेडियम का निर्माण कराया और इसका नाम शहीद वीर नारायण सिंह के नाम पर रखा। राज्य सरकार खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए निरंतर प्रयासरत है। ओलम्पिक खेलों में भी हमारे बेटे और बेटियां भाग लें, इसके लिए हमारी सरकार द्वारा विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। ओलम्पिक में स्वर्ण पदक जीतने वाले खिलाड़ियों को 3 करोड़ रुपये, रजत पदक पर 2 करोड़ रुपये और कांस्य पदक पर 1 करोड़ रुपये की प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। साथ ही प्रदेश में इंटीग्रेटेड स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के निर्माण की दिशा में भी कार्य किया जा रहा है।

केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू ने कहा कि बिलासपुर की पावन धरा पर अटल परिसर का लोकार्पण करते हुए आज हम स्वर्गीय लखीराम अग्रवाल जी को भावपूर्ण स्मरण कर रहे हैं। स्व. लखीराम अग्रवाल के योगदान को शब्दों में व्यक्त करना संभव नहीं है। उन्होंने कभी अपने सिद्धांतों से समझौता नहीं किया। हम सभी उनके योगदान को गहरे सम्मान के साथ याद करते हैं। आज उनकी स्मृति में आयोजित यह क्रिकेट प्रतियोगिता हमें उनके संघर्षमय जीवन की याद दिलाती है। क्रिकेट की तरह ही उन्होंने जीवन के हर क्षेत्र में अंतिम क्षण तक संघर्ष किया और कभी हार नहीं मानी। वे हम सभी के लिए प्रेरणा पुंज हैं। उनके विचार सदैव जीवित रहेंगे।

बिलासपुर विधायक अमर अग्रवाल ने आभार व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का विशेष धन्यवाद दिया। उन्होंने केंद्रीय राज्य मंत्री एवं सांसद तोखन साहू सहित उपस्थित जनप्रतिनिधियों का भी आभार जताया।

कार्यक्रम में विधायक धरमलाल कौशिक, धर्मजीत सिंह, सुशांत शुक्ला, महापौर पूजा विधानी, जिला पंचायत अध्यक्ष राजेश सूर्यवंशी, जिला सहकारी बैंक के अध्यक्ष रजनीश सिंह, पूर्व सांसद लखन लाल साहू, कमिश्नर सुनील जैन, आईजी राम गोपाल गर्ग, कलेक्टर संजय अग्रवाल, एसएसपी रजनेश सिंह, क्रिकेट खिलाड़ी राजेश चौहान उपस्थित थे।

संग्राहलयों के रखरखाव के लिए आपदा प्रबंधन का दिया प्रशिक्षण

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। आदिमजाति अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान, (टीआरटीआई) के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को नवा रायपुर, अटल नगर, सेक्टर-24 परिसर में स्थापित 'शहीद वीर नारायण सिंह स्मारक सह जनजातीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानी संग्रहालय' एवं 'जनजातीय संग्रहालय' के रख-रखाव हेतु आपदा प्रबंधन का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में संस्थान की संचालक श्रीमती हिना अमिनेष नेताम सहित संस्थान के अधिकारी-कर्मचारी शामिल हुए। प्रशिक्षण होमगार्ड, सिविल डिफेंस, फायर एंड इमरजेंसी सर्विस एसडीआरएफ के सौजन्य से आयोजित किया गया।

इस प्रशिक्षण में एसडीआरएफ की दक्ष टीम द्वारा 'आपदा प्रबंधन एवं आपातकालीन प्रतिक्रिया' विषय पर सारगर्भित तकनीकी और अनुभविक जानकारी पुष्पराज सिंह के नेतृत्व में दीपक कौशिक एवं राकेश भोयर, सहायक उपनिरीक्षक के द्वारा प्रदान किया गया।

प्रशिक्षण पश्चात् आपदा प्रबंधन के व्यवहारिक एवं प्रायोगिक पक्ष का प्रदर्शन संस्थान के खुले परिसर में किया गया जिसमें विभिन्न प्रकार की आग आदि जैसी आपदा से तत्कालिक बचाव प्रतिक्रिया से समस्त अमलों और संग्रहालय भ्रमण हेतु आये आगंतुको एवं विद्यार्थियों द्वारा भी हैण्ड्स ऑन प्रेक्टिस की गई।

संस्थान की संचालक हिना अनिमेष नेताम द्वारा बताया गया कि, यह प्रशिक्षण सभी के लिये लाभदायक रहा है जो कार्यस्थल और पारिवारिक सुरक्षा के दृष्टिकोण से भी महत्वपूर्ण रहा है। साथ ही आने वाले समय में ऐसे और भी प्रशिक्षण विशेषकर आपातकालीन स्वास्थ विषयों पर भी किये जाने है।

महिला बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने सुनी पीएम के 'मन की बात' की 132वीं कड़ी

प्रधानमंत्री के विचारों को बताया प्रेरणादायी, छत्तीसगढ़ के किसानों की सराहना

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। महिला एवं बाल विकास मंत्री एवं भटगांव विधायक श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने अपने बीरपुर स्थित निवास कार्यालय में मन की बात के 132वें संस्करण का तन्मयतापूर्वक श्रवण किया।

इस अवसर पर देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जनभागीदारी, महिला सशक्तिकरण, स्वच्छता, नवाचार तथा आत्मनिर्भर भारत जैसे समसामयिक और राष्ट्र निर्माण से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर अपने विचार साझा किए।

मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने कहा कि 'मन की बात' केवल एक संवाद कार्यक्रम नहीं है, बल्कि यह समाज को सकारात्मक दिशा देने और आम नागरिकों को राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया से जोड़ने का एक सशक्त मंच है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के विचार देशवासियों को प्रेरित करते हैं और सामाजिक जागरूकता को नई दिशा प्रदान

करते हैं।

उन्होंने विशेष रूप से कोरिया जिला के किसानों की प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा की गई सराहना पर प्रसन्नता व्यक्त की।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने अपने संबोधन में बताया कि कोरिया जिले के किसानों ने जल संरक्षण के क्षेत्र में सराहनीय पहल करते हुए छोटे-छोटे रीचार्ज तालाब एवं सोखता गड्ढों का निर्माण किया है।

इस अभिनव प्रयास को 1200 से अधिक किसानों ने अपनाया है, जिससे न केवल खेती को मजबूती मिली है, बल्कि भूजल स्तर में भी उल्लेखनीय सुधार हुआ है।

मंत्री राजवाड़े ने इसे जनभागीदारी से परिवर्तन का उत्कृष्ट उदाहरण बताते हुए कहा कि ऐसे प्रयास पूरे देश के लिए प्रेरणास्रोत हैं और आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

कार्यक्रम के दौरान जनप्रतिनिधियों सहित बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

40 तीर्थ यात्रियों को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

कोरबा। कोरबा रेलवे स्टेशन से पूर्व महापौर रेणु अग्रवाल ने 40 तीर्थ यात्रियों के जत्थे को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। राधाकृष्ण महिला समिति, परसाभाटा बाल्को नगर द्वारा आयोजित तीर्थयात्रा दल को विधिवत रूप से रवाना किया गया। इस अवसर पर कोरबा नगम की पूर्व महापौर रेणु अग्रवाल द्वारा छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाकर 40 श्रद्धालुओं के दल को वृंदावन धाम एवं अन्य प्रमुख धार्मिक स्थलों की पावन यात्रा हेतु प्रस्थान कराया गया। यह तीर्थयात्रा भगवान श्रीकृष्ण की लीलास्थली वृंदावन सहित आसपास के अन्य महत्वपूर्ण धार्मिक स्थलों के दर्शन एवं आध्यात्मिक अनुभूति के उद्देश्य से आयोजित की जा रही है। इस यात्रा से श्रद्धालुओं को धार्मिक, सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक ऊर्जा प्राप्त होगी। इस अवसर पर रेणु अग्रवाल ने सभी तीर्थयात्रियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह यात्रा सभी के जीवन में सुख, शांति एवं समृद्धि का संचार करे। उन्होंने कामना की कि सभी श्रद्धालु सुरक्षित एवं मंगलमय यात्रा पूर्ण कर पुनः अपने घर लौटें तथा अपने अनुभवों से समाज में सकारात्मक संदेश प्रसारित करें।

खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स 2026 : महिला 86+ किग्रा वेटलिफ्टिंग में मिजोरम की ज़ोसांगज़ुआली ने जीता स्वर्ण

- असम की पिंकी बोरो को रजत और मध्यप्रदेश की गुंजन उइके को कांस्य

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स 2026 के तहत महिला 86+ किलोग्राम वेटलिफ्टिंग प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दर्शकों को रोमांचित कर दिया। इस स्पर्धा में मिजोरम की जोसांगजुआली ने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

जोसांगजुआली ने स्नैच में 70 किलोग्राम और क्लीन एंड जर्क में 83 किलोग्राम वजन उठाकर कुल 140 किलोग्राम के साथ पहला स्थान हासिल किया। उनकी इस उपलब्धि ने मिजोरम को गौरवान्वित किया। यह आयोजन छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर स्थित पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय खेल परिसर में किया जा रहा है।

असम की पिंकी बोरो ने शानदार प्रयास करते हुए कुल

125 किलोग्राम वजन उठाकर रजत पदक पर कब्जा जमाया। उन्होंने स्नैच में 55 किलोग्राम और क्लीन एंड जर्क में 70 किलोग्राम का प्रदर्शन किया। मध्यप्रदेश की गुंजन उइके ने भी दमदार खेल दिखाते हुए कुल 86 किलोग्राम के साथ कांस्य पदक हासिल किया। उन्होंने स्नैच में 39 किलोग्राम और क्लीन एंड जर्क में 47 किलोग्राम वजन उठाया। प्रतियोगिता में त्रिपुरा की ट्विस्मु जमातिया चौथे स्थान पर रहीं, जिन्होंने कुल 77 किलोग्राम वजन उठाया।

प्रतियोगिता की खास बात यह रही की सभी खिलाड़ियों ने युवा आयु में बेहतरीन तकनीक और आत्मविश्वास का प्रदर्शन किया। मुकाबला काफी प्रतिस्पर्धात्मक रहा, जहां हर खिलाड़ी ने अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश की। आयोजन स्थल पर दर्शकों का उत्साह खिलाड़ियों के प्रदर्शन को और ऊर्जा दे रहा था।

रचा इतिहास : जारी वित्तवर्ष में 6 लाख ग्रामीण आवास पूर्ण

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय एवं उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा के मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ ने ग्रामीण आवास निर्माण में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करते हुए चालू वित्तीय वर्ष 2025-26 में 6 लाख से अधिक आवास पूर्ण किए हैं। यह इस वर्ष देश में सर्वाधिक आवास निर्माण का आंकड़ा है।

प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण, प्रधानमंत्री जनमन योजना और मुख्यमंत्री आवास योजना के सशक्त एवं समन्वित क्रियान्वयन से यह उपलब्धि संभव हो पाई है। इससे प्रदेश आवास निर्माण के क्षेत्र में एक प्रभावी मॉडल के रूप में उभरा है।

सबको आवास के लक्ष्य को तेजी से साकार करने के लिए वर्तमान सरकार के प्रथम कैबिनेट निर्णय में 18 लाख आवास स्वीकृत किए गए थे। वर्तमान में, सर्वे सूची में शामिल सभी पात्र हितग्राहियों को

कवर कर लिया गया है, जिससे यह सुनिश्चित हुआ है कि कोई भी पात्र परिवार आवास से वंचित न रहे।

वित्तीय वर्ष 2025-26 में प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के तहत 5.87 लाख, प्रधानमंत्री जनमन आवास योजना के अंतर्गत 13 हजार तथा मुख्यमंत्री आवास योजना के तहत 10 हजार से अधिक आवास पूर्ण किए गए हैं। योजनाओं के प्रभावी समन्वय से 6 लाख से अधिक आवासों का लक्ष्य पार किया गया है।

यह उपलब्धि वर्ष 2016 में योजना प्रारंभ होने के बाद प्रदेश में किसी एक वित्तीय वर्ष में सर्वाधिक आवास पूर्ण होने का रिकॉर्ड है, जो तेज क्रियान्वयन और प्रभावी मॉनिटरिंग को दर्शाता है। आवास निर्माण के साथ ग्रामीण अर्थव्यवस्था में भी नई गति आई है। डीलर दीदी मॉडल के तहत 9 हजार से अधिक महिला स्व-सहायता समूह सदस्य आवास निर्माण की सामग्री आपूर्ति कर लखपति दीदी बनकर आर्थिक रूप से सशक्त हुई हैं। इसके साथ ही हजारों महिला स्व-सहायता समूहों को आजीविका के अवसर प्राप्त हुए हैं। साथ ही, 6 हजार से अधिक राजमिस्त्रियों को प्रशिक्षित किया गया है, जिनमें 1200 से अधिक रानी मिस्त्री शामिल हैं। आत्मसमर्पित नक्सलियों को भी इस पहल से जोड़कर उन्हें सम्मानजनक आजीविका के अवसर प्रदान किए गए हैं।

पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए टोल-फ्री नंबर 18002331290 संचालित है। पिछले 10 महीनों में इस पर 1500 से अधिक शिकायतें एवं सुझाव प्राप्त हुए, जिनका त्वरित निराकरण किया गया है। हर माह की 7 तारीख को सभी ग्राम पंचायतों में आवास दिवस के माध्यम से जमीनी स्तर पर समस्याओं का समाधान किया जा रहा है। ग्राम पंचायत स्तर पर क्यू आर कोड आधारित सूचना प्रणाली से जानकारी सहज उपलब्ध हो रही है।

86 किलो लिफ्ट कर महाराष्ट्र की साक्षी बुरकुले ने जीता स्वर्ण

- छत्तीसगढ़ की रिशिका कश्यप ने रजत, असम की बिटुपुना देओरी को कांस्य

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स 2026 के तहत 86 किलोग्राम भारोत्तोलन प्रतियोगिता महिला वर्ग में खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दर्शकों का उत्साह बढ़ाया। इस स्पर्धा में महाराष्ट्र की साक्षी बंडू बुरकुले ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक कब्जा किया। यह प्रतिस्पर्धा पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर की खेल मैदान में आयोजित की जा रही है।

साक्षी बुरकुले ने स्नैच में 68 किलोग्राम और क्लीन एंड जर्क में 82 किलोग्राम वजन उठाकर कुल 150 किलोग्राम के साथ पहला स्थान हासिल की, उनका प्रदर्शन पूरे मुकाबले में सबसे मजबूत रहा।

छत्तीसगढ़ की रिशिका कश्यप ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए रजत पदक हासिल की। उन्होंने कुल 121 किलोग्राम (स्नैच 55

किलोग्राम, क्लीन एंड जर्क 71 किलोग्राम) वजन उठाया।

वहीं असम की बिटुपुना देओरी ने 118 किलोग्राम के साथ कांस्य पदक अपने नाम किया। प्रतियोगिता में असम की लिंडा 114 किलोग्राम के साथ चौथे स्थान पर रहीं, जबकि त्रिपुरा की सुमी मोग (77 किलोग्राम) और आंध्र प्रदेश की जेसी रानी (61 किलोग्राम) क्रमशः पांचवें और छठे स्थान पर रहीं। इस स्पर्धा में खिलाड़ियों के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा देखने को मिली, जहां हर प्रतिभागी ने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने का प्रयास किया। दर्शकों ने प्रत्येक खिलाड़ियों की हौंसला अफजाई करते हुए खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन कर इस पूरे आयोजन को जीवंत बनाए रखा।

साड़ी में छाई आलिया भट्ट, सादगी ने बढ़ाई एक्ट्रेस की खूबसूरती

आलिया भट्ट अपने हर लुक से फैंस का दिल जीत लेती हैं। हाल ही में अब एक्ट्रेस ने साड़ी में कुछ खूबसूरत तस्वीरें पोस्ट की, जो सोशल मीडिया पर छाई हुई है। आलिया अपने लुक से ज्यादा फैंस के बीच सादगी और सिंपल मेकअप को लेकर खूब सुर्खियां बटोर रही हैं। एक्ट्रेस के देसी और स्टाइलिश अंदाज से नजरें हटा पाना किसी के लिए भी मुश्किल होगा।

प्रियंका कपाड़िया द्वारा स्टाइल किया गया आलिया भट्ट का यह एलिगेंट और मॉडर्न लुक सोशल मीडिया पर छाया हुआ है, जिसमें वह बला की खूबसूरत लग रही थीं। फैंस ने उनकी पोस्ट पर तारीफों की झड़ी लगा दी। हालांकि, इस बार उनका सॉफ्ट, एलिगेंट और मिनिमल मेकअप सबसे ज्यादा पसंद किया जा रहा है। यूजर्स उनकी तस्वीरों पर जमकर प्यार लुटा रहे और उनकी तुलना स्वर्ग की अप्सरा से कर रहे हैं।

चेन्नई के इवेंट के लिए आलिया ने जैडन लेबल की एक फ्रेश सेज ग्रीन साड़ी पहनी, जिसे सेलिब्रिटी स्टाइलिस्ट प्रियंका कपाड़िया ने स्टाइल किया था। ऑर्गेंजा की इस साड़ी की हल्की कढ़ाई ने इसे और भी ज्यादा खूबसूरत बना दिया, जिस पर हरे रंग के बड़े-बड़े फूलों वाली कढ़ाई और पतला बॉर्डर है। इस साड़ी में आलिया भट्ट की सादगी देख आप भी उनके फैन हो जाएगे।

आलिया भट्ट की साड़ी को क्लासिक अंदाज में स्टाइल किया गया है, जिसमें परफेक्ट प्लेट्स और खूबसूरत सा लहराता हुआ पल्लू उनके लुक में चार चांद लगा रहा है। एक्ट्रेस ने इस ड्रेप के साथ मैचिंग रंग का स्लीवलेस सिल्क ब्लाउज पहना था, लेकिन जिस चीज ने इस आउटफिट को सचमुच खास बना दिया, वह थी उनकी ज्वेलरी।

आलिया ने मोक्ष का एक बेहद खूबसूरत कुंदन चोकर चुना, जिसमें कीमती रत्न और हीरे जड़े थे। इसी वजह से उनका लुक शाही लग रहा है। सोने की इयररिंग और बाकी एक्सेसरीज ने उनके लुक में चार चांद लगा दिए, जहां एक तरफ साड़ी की खूबसूरती निखरकर सामने आई तो वहीं दूसरी तरफ इन एक्सेसरीज ने भी उनकी सुंदरता बढ़ा दिया।

आलिया भट्ट का मेकअप उनके सिग्नेचर स्टाइल के हिसाब से बहुत ही अच्छा लग रहा था। आंखों और होठों पर हल्के गुलाबी रंग के शेड्स, हाइलाइटर का हल्का सा टच और न्यूड लिप्स उनके लुक के अनुसार एक दम परफेक्ट लग रहा है, जो उनके लुक को और ग्रेसफुल बनाता है। वहीं, इस लुक को पूरा करने के लिए आलिया ने अपने बालों को बीच से पार्टिंग करके हल्के वेव्स में खुला रखा। ऐसे में फैंस उनके इस लुक की तारीफ करते नहीं थक रहे हैं। उनकी पोस्ट पर तारीफों की बाढ़ आ गई।

आलिया भट्ट का 2026 का वर्क फ्रंट बड़े-बड़े प्रोजेक्ट्स से भरा हुआ है। वह वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स की फिल्म अल्फा में नजर आने वाली हैं, जो 10 जुलाई को रिलीज होने वाली है। इसके अलावा, वह संजय लीला भंसाली की फिल्म लव एंड वॉर में अपने पति रणबीर कपूर और एक्टर विक्की कौशल के साथ दिखाई देने वाली हैं।

रेड स्टाइलिश ड्रेस में रकुल प्रीत ने दिखाईं अदाएं

फैंस बोले- खूबसूरत

बॉलीवुड एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह हमेशा अपने बोल्ड और स्टनिंग लुक्स के कारण सोशल मीडिया पर सुर्खियां बटौरती रहती हैं। उनके हर एक अंदाज को देखकर इंटरनेट पर सनसनी मच जाती है। हाल ही में बॉलीवुड अभिनेत्री रकुल प्रीत ने इंस्टाग्राम पर अपना लेटेस्ट लुक शेयर किया हैं। इस नए लुक अभिनेत्री रकुल प्रीत रेड ड्रेस में सिजलिंग पोज देती नजर आ रही हैं।

रकुल का यह लुक उनके फैंस को बेहद पसंद आ रहा हैं। रकुल फिल्म पति पत्नी और वह 2 में नजर आएंगी। पति पत्नी और वह 2 एक रोमांटिक कॉमेडी फिल्म हैं। पति पत्नी और वह 2 में आयुष्मान खुराना, सारा अली खान, वामिका गब्बी और रकुल प्रीत मुख्य भुमिकाओं में नजर आएंगे। पति पत्नी और वह 2 का निर्देशन मुदस्सर अजीज कर रहे हैं। पति पत्नी और वह 2 15 मई 2026 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह आए दिन अपने लेटेस्ट लुक शेयर कर अक्सर फैंस के दिलों पर खंजर चला देती हैं।

उनका हर एक लुक सोशल मीडिया पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है। साथ ही फैंस उनके हॉट लुक को देखकर तारीफ करते नहीं थकते हैं।

एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। वो जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं फैंस उनकी तस्वीरों पर जमकर लाइक्स और कॉमेंट्स करते हैं।

फिल्म वध 2 की ओटीटी रिलीज से उठा पर्दा

3 अप्रैल को नेटफ्लिक्स पर होगा प्रीमियर

संजय मिश्रा और नीना गुप्ता की क्राइम थ्रिलर फिल्म वध 2 फरवरी, 2026 में रिलीज हुई थी। सिनेमाघरों में ठीक-ठाक प्रदर्शन करने के बाद, आखिरकार यह डिजिटल प्रीमियर के लिए तैयार हो गई है। जिन लोगों ने अब तक इसका लुत्फ नहीं उठाया है, उनके पास घर बैठकर फिल्म देखने का शानदार मौका आ रहा है। बता दें, साल 2022 में इसकी पहली किस्त वध आई थी जिसकी कहानी को बेहद पसंद किया गया था।

ओटीटी प्ले की रिपोर्ट के मुताबिक, वध 2 के डिजिटल अधिकार नेटफ्लिक्स द्वारा खरीदे गए हैं। फिल्म का प्रीमियर 3 अप्रैल, 2026 को इस प्लेटफॉर्म पर कर दिया जाएगा जिसे सब्सकाइबर यूजर्स फ्री में देख सकेंगे। जाहिर है कि बॉलीवुड फिल्मों के लिए आमतौर पर सिनेमाघरों में रिलीज होने के बाद 8 हफ्ते का समय दिया जाता है, और ओटीटी प्लेटफॉर्म पर वध 2 को रिलीज करने का यह कदम इसी नियम का अनुसरण करता है।

जसपाल सिंह संधू द्वारा लिखित और निर्देशित वध 2 भले ही मध्य प्रदेश की एक जेल पर आधारित हो, लेकिन यह एक स्वतंत्र कहानी है जिसे पिछली किस्त का सीक्वल नहीं कहा जा सकता। फिल्म में संजय ने रिटायर पुलिस गार्ड शंभूनाथ मिश्रा का किरदार निभाया है, जबकि नीना कैदी मंजू सिंह के किरदार में हैं जो दोहरे हत्याकांड के आरोप में 28 साल से जेल में बंद है। इसकी कहानी खतरनाक साजिशों और कानूनी पेचीदगियों के इर्द-गिर्द घूमती है।

धुरंधर की सफलता के बाद अब बादशाह की सवारी करेंगी सौंम्या टंडन

अभिनेत्री सौम्या टंडन इन दिनों स्पाई एक्शन फिल्म धुरंधर-द रिवेंज को लेकर सुर्खियों में छाई हैं। इस बीच, अभिनेत्री ने अपने नए शौक का खुलासा किया और बताया कि उन्होंने उसकी ट्रेनिंग भी शुरू कर दी हैं। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए बताया कि उन्हें घुड़सवारी का काफी शौक था, जिसकी उन्होंने ट्रेनिंग शुरू कर दी है।

फिल्म की सफलता के बाद सौम्या अब अपनी नई रुचि पर फोकस कर रही हैं। घुड़सवारी उनके लिए न सिर्फ नया शौक है बल्कि एक सपने को पूरा करने की दिशा में पहला कदम भी है।

सौम्या ने कुछ तस्वीरें पोस्ट कीं। इसमें वे घोड़ों के साथ नजर आ रही हैं। वहीं, कुछ तस्वीरों में वे घुड़सवारी सीखते हुए भी दिख रही हैं।

सौम्या ने लिखा, पहला दिन और पहली घुड़सवारी की क्लास

अभिनेत्री ने बताया कि उन्हें बचपन से ही घोड़े बहुत पसंद रहे हैं। उन्होंने लिखा, घोड़े बहुत सुंदर और नाजुक जानवर होते हैं। मैं हमेशा उनसे आकर्षित रही हूं। मैं बचपन में एक बड़े फार्म का सपना देखती थी, जहां खूबसूरत घोड़े और कुत्ते हों। मैं खुद उन घोड़ों पर सवारी करते हुए खुद को देखती थी।

सौम्या ने लिखा, पहला दिन थोड़ा मुश्किल रहा, लेकिन मैंने घुड़सवारी सीखना शुरू कर दिया है, तो पहला दिन काफी खतरनाक और थकाऊ था। मेरी पीठ में दर्द हो रहा है, लेकिन इस क्लास में मुझे एक नया दोस्त मिल गया। वह दोस्त है एक सुंदर सफेद घोड़ा, जिसका नाम बादशाह' है।

सौम्या ने मजाकिया अंदाज में बताते हुए लिखा, मैंने बादशाह से बहुत बातें कीं। सच कहूं तो वह बहुत अच्छा सुनने वाला था या शायद उसके पास और कोई चारा नहीं था, लेकिन उसने मेरी सारी बातें ध्यान से सुनीं। मुझे लगता है कि हमारे बीच एक खास कनेक्शन बन गया है। हम अच्छे दोस्त बन गए हैं।

अंत में सौम्या ने लिखा, फिर मिलेंगे बादशाह, जल्दी ही। उम्मीद है एक दिन हम साथ में घोड़ी चलाएंगे और तेज दौड़ लगाएंगे।

बच्चों में जल्दी उठने की आदत डालने के लिए अपनाएं ये 5 तरीके, बनेंगे अनुशासित

बच्चों में जल्दी उठने की आदत डालना एक अहम कदम है, जो उनके जीवन को व्यवस्थित और उत्पादक बना सकता है। यह आदत न केवल उनके शारीरिक स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद होती है, बल्कि मानसिक और भावनात्मक विकास में भी मदद करती है। इस लेख में हम कुछ सरल और प्रभावी तरीकों पर चर्चा करेंगे, जिनसे आप अपने बच्चों को सुबह जल्दी उठने की आदत डाल सकते हैं। इसकी मदद से वे ज्यादा अनुशासित भी बन सकेंगे।

सोने का समय तय करें

बच्चों को जल्दी उठाने के लिए सबसे पहले उन्हें सोने का एक निश्चित समय बताएं। यह समय ऐसा होना चाहिए, जो उनके लिए आरामदायक हो और वे उसे आसानी से अपना सकें। उदाहरण के लिए, अगर आपका बच्चा रात 9 बजे सोने जाता है तो सुबह 6 बजे उठने का समय तय करें। इस तरह बच्चे का शरीर एक नियमित चक्र में आ जाएगा और वे खुद-ब-खुद जल्दी उठने की आदत डाल लेंगे।

बिस्तर तैयार रखें

बिस्तर हमेशा साफ-सुथरा और आरामदायक रखें, ताकि बच्चा जब भी सोने जाए तो उसे एक सुखद अनुभव मिले। इसके अलावा बिस्तर पर सोने से पहले आरामदायक तकिये और चादरें रखें, जिससे बच्चे को अच्छी नींद मिल सके। यह भी सुनिश्चित करें कि कमरे का तापमान सही हो और रोशनी कम हो, ताकि बच्चा आसानी से सो सके। इसके साथ ही कमरे में शांति बनाए रखें, ताकि बच्चे को सोने में कोई बाधा न हो।

अलार्म लगाएं

बच्चों के लिए अलार्म घड़ी लगाएं, जो उन्हें समय पर उठने में मदद करेगी। आजकल बाजार में कई तरह की स्मार्ट घड़ियां उपलब्ध हैं, जिनमें अलार्म का विकल्प होता है। आप इन घड़ियों को सेट करके बच्चे को समय पर उठने के लिए प्रेरित कर सकते हैं। इसके अलावा आप मोबाइल ऐप का भी उपयोग कर सकते हैं, जो बच्चों को सुबह जल्दी उठने की याद दिलाते हैं। कुछ समय बाद वे बिना अलार्म के भी समय पर उठ जाएंगे।

सुबह की गतिविधियां शामिल करें

सुबह उठते ही बच्चों को कुछ हल्की-फुल्की कसरत या योग करवाएं। इससे उनका शरीर सक्रिय रहेगा और वे ताजगी महसूस करेंगे। आप उन्हें पार्क ले जा सकते हैं या घर पर ही कुछ सरल योगासन सिखा सकते हैं। इसके अलावा आप उन्हें कुछ खेल खेलने के लिए प्रेरित कर सकते हैं, जैसे दौड़ना, कूदना या बॉल खेलना। इससे उनका मनोबल बढ़ेगा और वे दिनभर ऊर्जा से भरे रहेंगे।

सकारात्मक प्रोत्साहन दें

बच्चों को जल्दी उठने पर सकारात्मक प्रोत्साहन दें, ताकि वे इस आदत को बनाए रख सकें। आप उन्हें उनकी पसंदीदा चीजें देकर या उनके साथ खेलकर यह कर सकते हैं। इसके अलावा अगर बच्चा समय पर उठता है तो उसे कोई छोटा-सा इनाम दें, जैसे उसकी पसंदीदा किताब या खिलौना। इससे बच्चे को यह महसूस होगा कि जल्दी उठना अच्छा है और वह इसे अपनी दिनचर्या का हिस्सा बना सकेगा।

खास खबर

ग्राम पंचायतों में ही हो रहा राजस्व प्रकरणों का त्वरित निपटारा

राजनांदगांव। जिले में राजस्व सेवाओं को और अधिक सुलभ, पारदर्शी व त्वरित बनाने की दिशा में जिला प्रशासन द्वारा एक अभिनव पहल करते हुए ग्राम पंचायतों में राजस्व संबंधित समस्याओं का निराकरण किया जा रहा है। कलेक्टर जितेन्द्र यादव ने आज ग्राम पंचायत सांकरा का आकस्मिक आकस्मिक निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि ग्राम पंचायतों में राजस्व प्रकरणों के संबंधित आवेदन लिए जा रहे है। जिससे अविवादित नामांतरण, अविवादित खाता विभाजन जैसे राजस्व प्रकरणों को ग्राम पंचायत स्तर पर ही 15 दिनों के भीतर निराकृत किए जाने का लक्ष्य रखा गया है। जिससे लोगों को तहसील कार्यालय जाने की जरूरत नहीं होगी। इससे नागरिकों के समय एवं श्रम की बचत हो रही है। इसके साथ ही नागरिकों को सहूलियत भी मिल रही है। उन्होंने ग्राम पंचायतों में राजस्व प्रकरणों के निराकरण के संबंध में गांवों में मुनादी कराने के निर्देश अधिकारियों को दिए। कलेक्टर ने वहां उपस्थित किसानों से बातचीत कर उनके राजस्व संबंधी आवेदन के निराकरण की जानकारी ली। ग्रामीणों ने बताया कि पहले छोटे-छोटे कार्यों के लिए कई बार तहसील कार्यालय जाना पड़ता था, परंतु अब वही काम ग्राम पंचायत में ही निराकरण होने से काफी राहत मिली है। किसानों ने बताया कि यह बहुत अच्छी पहल है। ग्राम पंचायत में राजस्व संबंधित समस्याओं का निराकरण होने से बड़ी राहत मिलती है।

पेट्रोल-डीजल व एलपीजी की पर्याप्त उपलब्धता, कालाबाजारी पर होगी सख्त कार्रवाई

मोहला। पश्चिम मध्य एशिया में युद्ध की स्थिति को ध्यान में रखते हुए राज्य शासन के निर्देश पर जिला प्रशासन द्वारा पेट्रोलियम पदार्थों एवं एलपीजी गैस की निर्बाध उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। कलेक्टर तुलिका प्रजापति ने पेट्रोल पंप संचालकों एवं एलपीजी गैस वितरकों की बैठक लेकर स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि निर्धारित दरों पर ही पेट्रोलियम उत्पादों की बिक्री सुनिश्चित की जाए। उन्होंने सख्त हिदायत दी कि किसी भी परिस्थिति में पेट्रोल, डीजल एवं एलपीजी गैस सिलेंडरों का अनावश्यक भंडारण न किया जाए। साथ ही घरेलू गैस सिलेंडरों का व्यावसायिक उपयोग या अन्य किसी प्रकार का दुरुपयोग पाए जाने पर संबंधित के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। कालाबाजारी, जमाखोरी या किसी भी प्रकार की अनियमितता मिलने पर पेट्रोल पंप एवं गैस एजेंसी संचालकों पर सख्त कार्रवाई होगी। खाद्य विभाग ने जानकारी देते हुए बताया कि वर्तमान में उपभोक्ताओं को शहरी क्षेत्रों में 25 दिन एवं ग्रामीण क्षेत्रों में 45 दिन के अंतराल में दूसरा गैस सिलेंडर उपलब्ध कराया जा रहा है। इसकी स्पष्ट जानकारी सभी गैस एजेंसियों में सूचना पटल पर प्रदर्शित करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि उपभोक्ताओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। जिले में पेट्रोल, डीजल एवं एलपीजी गैस की आपूर्ति पूरी तरह सामान्य है और पर्याप्त मात्रा में उपलब्धता बनी हुई है। कलेक्टर ने आम जनता से अपील की है कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें।

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने 8.10 करोड़ की सिंचाई परियोजना नहर लाइनिंग कार्य का किया शुभारंभ

किसानों के लिए बड़ी सौगात, राम्हेपुर नहर लाइनिंग से 1540 एकड़ में पहुंचेगा पानी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कबीरधाम जिले के बोड़ला क्षेत्र के किसानों को सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी उपलब्ध कराने की दिशा में लंबे समय से चली आ रही बहुप्रतीक्षित मांग को पूरा करते हुए उप मुख्यमंत्री और कवर्धा विधायक विजय शर्मा ने सारंगपुर पहुंचकर 8.10 करोड़ रुपए की लागत से बोड़ला विकासखंड अंतर्गत छीरपानी जलाशय से जुड़ी राम्हेपुर वितरक नहर एवं उससे संबद्ध माइनर नहरों के सी.सी. लाइनिंग कार्य का विधिवत भूमिपूजन किया। परियोजना क्षेत्र के किसानों के लिए वरदान साबित होगी।

कार्य पूर्ण होने पर कुल 1540 एकड़ क्षेत्र में सुचारू सिंचाई सुविधा उपलब्ध हो सकेगी तथा 6 गांवों के 800 से अधिक किसानों को सीधा लाभ मिलेगा। नहरों के सुदृढ़ीकरण से जल का अपव्यय रुकेगा, अंतिम छोर तक पानी पहुंचेगा और खेती-किसानी को नई मजबूती मिलेगी। इस दौरान उप मुख्यमंत्री ने सारंगपुर गांव के विकास के लिए 41 लाख रुपए की सीसी रोड निर्माण और गांव के मेन चौक में भव्य डोम निर्माण की घोषणा की।

उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने भूमि पूजन के अवसर पर कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में सरकार गांव, गरीब और किसान को केंद्र में रखकर योजनाओं का क्रियान्वयन कर रही है। उन्होंने कहा कि नहरों की लाइनिंग से पानी का अनावश्यक रिसाव रुकेगा, जल संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा और नहरों के अंतिम छोर तक भी समान रूप से पानी पहुंच सकेगा। इससे न केवल फसलों की उत्पादकता बढ़ेगी, बल्कि किसानों की आय में भी वृद्धि होगी। कार्यक्रम के दौरान उप मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को गुणवत्ता के साथ समय-सीमा में कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सरकार की मंशा है कि योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे और क्षेत्र के समग्र विकास को गति मिले। उन्होंने कहा कि नहर निर्माण कार्य से उनकी खेती को सीधा लाभ मिलेगा। आज से निर्माण कार्य प्रारंभ किया जा रहा है, इसलिए गांव के लोग भी इसमें सक्रिय रूप से ध्यान दें और जनसहयोग से कार्य को सफल बनाएं। उन्होंने कहा कि किसी भी विकास कार्य की सफलता में आमजन की भागीदारी सबसे अहम होती है।

उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने इस अवसर पर गांव में संचालित विभिन्न विकास कार्यों की जानकारी देते हुए बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पात्र हितग्राहियों को आवास स्वीकृत किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि सरकार ने अपने वादे के अनुरूप गठन के साथ ही कैबिनेट की पहली बैठक में आवास योजना को स्वीकृति देकर इसे प्राथमिकता दी है।

उन्होंने कहा कि ग्रामीणों को योजनाओं के तहत मिली राशि गांव में ही आसानी से मिल सके, इसके लिए ग्राम पंचायत भवन में डिजिटल सुविधा केंद्र संचालित किया जा रहा है, जिससे महिलाओं और बुजुर्गों को विशेष सुविधा मिल रही है। साथ ही महतारी वंदन योजना के तहत अब तक 25 किस्तों में 25 हजार रुपए की राशि हितग्राहियों के खातों में अंतरित की जा चुकी है, जिससे महिलाओं को आर्थिक मजबूती मिली है। इसके साथ ही सीएलएफ स्तर पर गांव में महतारी सदन का निर्माण भी किया जा रहा है।

उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने यह भी बताया कि स्वामित्व योजना के तहत ग्रामीणों को उनके संपत्ति अधिकार सुनिश्चित करने के लिए अधिकार पत्र तैयार किए जा रहे हैं, जिससे गांवों में पारदर्शिता और स्वामित्व की स्पष्टता बढ़ेगी। इस योजना से मुख्य रूप से मानिकपुर, सिल्हाटी, बघर्रा, सारंगपुर कला, सिंधनुपरी एवं राम्हेपुर कला ग्रामों के किसान सीधे तौर पर लाभान्वित होंगे। नहरों के सुदृढ़ीकरण से इन गांवों में जल की उपलब्धता सुनिश्चित होगी, जिससे किसानों को सिंचाई के लिए वैकल्पिक साधनों पर निर्भरता कम करनी पड़ेगी।

1540 एकड़ क्षेत्र में सिंचाई क्षमता का होगा विस्तार

वर्तमान में इन नहरों के माध्यम से लगभग 1045 एकड़ क्षेत्र में सिंचाई की सुविधा उपलब्ध है। परियोजना पूर्ण होने केपश्चात सिंचाई क्षमता में 495 एकड़ की अतिरिक्त वृद्धि होगी, जिससे कुल 1540 एकड़ क्षेत्र में किसानों को नियमित एवं सुचारू रूप से खरीफफसलों के लिए पानी मिल सकेगा। इससे क्षेत्र में कृषि उत्पादन को नई गति मिलने की उम्मीद है।

13.65 किलोमीटर लंबी नहरों का होगा कायाकल्प

परियोजना के अंतर्गत कुल लगभग 13.65 किलोमीटर लंबाई की नहरों का सी.सी. लाइनिंग एवं जीर्णोद्धार कार्य किया जाएगा। इसमें प्रमुख रूप से राम्हेपुर वितरक नहर (4650 मीटर), सिल्हाटी माइनर-1 (1230 मीटर), सिल्हाटी माइनर-2 (1680 मीटर), बघरा माइनर (780 मीटर) तथा राम्हेपुर टेल माइनर (दांयी एवं बांयी) कुल 5310 मीटर शामिल हैं। इसके साथ ही नहरों में आवश्यक पक्के संरचनाओं का पुनर्निर्माण एवं मरम्मत कार्य भी किया जाएगा, जिससे नहरों की मजबूती और जल प्रवाह की क्षमता में वृद्धि होगी।

समाज की प्रगति ही राष्ट्र की उन्नति का आधार - टंकराम वर्मा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रदेश के राजस्व, आपदा प्रबंधन एवं उच्च शिक्षा मंत्री टंकराम वर्मा ने कहा कि समाज की प्रगति ही राष्ट्र की उन्नति का आधार है। उन्होंने साहू समाज के गौरवशाली इतिहास और सेवा भाव की प्रशंसा की।

माँ कर्मा देवी के आशीर्वाद से निनंवा में निर्मित यह भवन केवल ईंट-पत्थरों का ढांचा नहीं, बल्कि सामाजिक एकता और संस्कारों का केंद्र बनेगा। हमारी सरकार समाज के हर वर्ग को सशक्त बनाने और बुनियादी सुविधाएं पहुँचाने के लिए प्रतिबद्ध है। यह भवन आने वाली पीढ़ियों के शैक्षिक और सामाजिक उत्थान में मील का पत्थर साबित होगा। उच्च शिक्षा मंत्री श्री टंक राम वर्मा के मुख्य आतिथ्य में 'माँ कर्मा साहू समाज भवन' का लोकार्पण समारोह आज संपन्न हुआ। भक्तिमय और उत्साहपूर्ण वातावरण में आयोजित इस कार्यक्रम में समाज के सैकड़ों लोग साक्षी बने। श्री वर्मा ने कहा कि रायपुर जिले के ग्राम निनंवा में आज सामाजिक एकजुटता और विकास का एक नया अध्याय लिखा गया। उन्होंने कहा कि समाज के लोगों की यह एकजुटता सम्मान और गौरव का संगम है। कार्यक्रम की अध्यक्षता साहू संघ के मनीराम साहू ने की। समारोह में विशिष्ट अतिथियों के रूप में देवनाथ साहू, राजू शर्मा और अनिल अग्रवाल सहित क्षेत्र के दिग्गज जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। इस अवसर पर समाज के प्रतिभावान व्यक्तियों और वरिष्ठ जनों का सम्मान भी किया गया। 'माँ कर्मा साहू समाज भवन' का लोकार्पण समारोह के अवसर पर जनप्रतिनिधि, समाज प्रमुख, पदाधिकारी, गणमान्य नागरिक और स्वजातिय बंधु बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

आयुर्वेद चिकित्सा शिविर में 405 मरीजों का हुआ निःशुल्क उपचार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी के निर्देशानुसार एवं जिला आयुष अधिकारी डॉ. सी.एस. गौराहा के मार्गदर्शन में विकासखंड पुसौर के दूरस्थ ग्रामों में आयुर्वेद चिकित्सा शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। डॉ. अजय नायक के नेतृत्व में आयोजित इन शिविरों के माध्यम से ग्रामीणों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करते हुए उन्हें उचित परामर्श और निःशुल्क उपचार उपलब्ध कराया गया। इन शिविरों में कुल 405 रोगियों का उपचार किया गया। शिविर में डॉ. जागृति पटेल द्वारा जोड़ों के दर्द, अस्थि-संधि विकार, वृद्धजन स्वास्थ्य समस्याएं, जीवनशैली जनित रोग, आहार-विहार, योगासन, स्वच्छता एवं नशामुक्ति जैसे विषयों पर विस्तार से जानकारी दी गई। साथ ही, आवश्यकतानुसार पंपलेट वितरित कर ग्रामीणों को स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने के लिए प्रेरित किया गया। बुनगा में विशेष रूप से जीवनशैली में सुधार, औषधीय पौधों की पहचान एवं उपयोग, घरेलू शुगर जांच, सियान जतन तथा दैनिक योगाभ्यास जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से लोगों को लाभान्वित किया गया।

ग्राफ्टेड बैंगन की उन्नत खेती से अमृत बंजारे की आर्थिक स्थिति हुई सुदृढ़

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर । श्रीमती अमृत बंजारे बताती है कि अब तक लगभग 80 टन बैंगन का उत्पादन कर चुकी है, जिससे उन्हें लगभग 9 लाख 60 हजार रुपये की आय प्राप्त हुई है। यह आय उनकी पूर्व की पारंपरिक खेती की तुलना में कहीं अधिक है, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति में सुदृढ़ता आई है।

छत्तीसगढ़ के महासमुंद जिले के विकासखंड महासमुंद अंतर्गत ग्राम बम्बुरडीह की सफल कृषक श्रीमती अमृत बाई बंजारे, श्री शुद्धुराम बंजारे ने सीमित संसाधनों के बावजूद आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाकर उल्लेखनीय सफलता अर्जित की है। अमृत बंजारे बताती है कि उनकी शैक्षणिक योग्यता 5वीं कक्षा तक है। पूर्व में वे अपनी कुल 2.87 हेक्टेयर भूमि में परंपरागत रूप से धान की खेती किया करती थीं, जिसमें उत्पादन अपेक्षाकृत कम एवं लागत अधिक होने के कारण उन्हें पर्याप्त लाभ प्राप्त नहीं हो पाता था।

वर्ष 2025-26 में उद्यानिकी विभाग के मार्गदर्शन में उन्होंने अपनी 1.45 हेक्टेयर सिंचित भूमि में ग्राफ्टेड बैंगन (किस्म टछत् 212) की उन्नत खेती प्रारंभ की। इस दौरान उन्होंने ड्रिप सिंचाई प्रणाली, मल्चिंग पेपर एवं अन्य आधुनिक कृषि यंत्रों का उपयोग करते हुए वैज्ञानिक पद्धति से खेती की। इन तकनीकों के उपयोग से जहां जल की बचत हुई, वहीं फसल की गुणवत्ता एवं उत्पादन में भी वृद्धि हुई।

शिक्षा किसी भी समाज एवं राष्ट्र के विकास की आधारशिलाः डॉ. राजभूषण चौधरी

श्रीकंचनपथ न्यूज

बालोद। केन्द्रीय जलशक्ति राज्य मंत्री डॉ. राजभूषण चौधरी ने कहा कि शिक्षा किसी भी राष्ट्र एवं समाज के विकास की आधारशिला है। उन्होंने कहा कि शिक्षा के बिना किसी भी व्यक्ति, समाज एवं राष्ट्र की विकास की परिकल्पना नही की जा सकती है।

इसलिए निषाद केंवट समाज के लोगों को अपने बाल बच्चों की पढ़ाई-लिखाई कर विशेष ध्यान देना चाहिए। डॉ. चौधरी आज बालोद जिले के डौण्डीलोहारा विकासखण्ड के ग्राम नर्मदाधाम सुरसुली में जिला निषाद (केंवट) समाज द्वारा आयोजित वार्षिक अधिवेशन में कार्यक्रम के अवसर पर अपना उद्गार व्यक्त कर रहे थे। डॉ.चौधरी कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता गुण्डरदेही विधानसभा क्षेत्र के विधायक एवं निषाद (केंवट) समाज के प्रदेशाध्यक्ष कुंवर सिंह निषाद ने किया। कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में संजारी बालोद विधानसभा क्षेत्र की विधायक संगीता सिन्हा, राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष नोहरू राम निषाद, जिला पंचायत अध्यक्ष तारणी पुष्पेन्द्र चंद्राकर, राष्ट्रीय संत गोपाल नंदन गिरी, डॉ. बीके कश्यप, वरिष्ठ जनप्रतिनिधि चेमन देशमुख, जनपद अध्यक्ष कांति सोनबरसा, जिला पंचायत सदस्य गुलशन चंद्राकर, प्रभा नायक, चंद्रेश हिरवानी सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित थे। इस अवसर पर केन्द्रीय मंत्री डॉ चौधरी ने निषाद समाज के लोगों को नवोदित पीढ़ी को उच्च शिक्षित बनाने तथा नशापान से सर्वथा दूर रहने समझाईश भी दी। इस मौके पर उन्होंने निषाद समाज के वार्षिक अधिवेशन के दौरान आयोजित सामूहिक विवाह कार्यक्रम के अंतर्गत परिणय सूत्र में बंधने वाले वर-वधुओं के बीच पहुँचकर उन्हें अपना आशीर्वाद भी प्रदान किया।

इस अवसर पर केन्द्रीय मंत्री डॉ.चौधरी ने शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि शिक्षा शेरनी के दुध के समान है, जो पियेगा वो जरूर दहाड़ेगा। डॉ. चौधरी ने नशापान को समाज के पतन का मुख्य कारण बताते हुए समाज को नशामुक्त बनाने की दिशा में कार्य करने को कहा।

चेक डैम बना ग्रामीणों की आत्मनिर्भरता का आधार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले के खड़गवां जनपद अंतर्गत ग्राम पंचायत बरदर में विकास का एक सशक्त मॉडल उभरकर सामने आया है। यहां मनरेगा और जिला खनिज न्यास (डीएमएफ) के अभिसरण से निर्मित चेक डैम ने न सिर्फ जल संरक्षण को मजबूती दी है, बल्कि ग्रामीणों की आजीविका और खेती-किसानी की दिशा भी बदल दी है।

करीब 19 लाख रुपए की लागत से बने इस चेक डैम में मनरेगा से 17 लाख और डीएमएफ से 2 लाख रुपए का योगदान रहा। निर्माण कार्य के दौरान 1070 मानव दिवस सृजित हुए, जिससे स्थानीय ग्रामीणों को रोजगार मिला और उनकी आर्थिक स्थिति को सहारा मिला।

यह कार्य कलेक्टर डी. राहुल वेंकट और जिला पंचायत सीईओ अंकिता सोम के मार्गदर्शन में सफलतापूर्वक पूरा किया गया।

चेक डैम बनने से गांव के आसपास के लगभग 15 किसानों को सीधा फायदा मिल रहा है। पहले जहां किसान केवल एक फसल पर निर्भर थे, वहीं अब वे धान के साथ दूसरी फसल लेने लगे हैं। सब्जी उत्पादन की ओर भी उनका रुझान बढ़ा है, जिससे आय के नए स्रोत खुल रहे हैं।

इस परियोजना का सबसे बड़ा लाभ जल संरक्षण के रूप में सामने आया है। चेक डैम में संचित पानी से भूजल स्तर में सुधार की उम्मीद है। किसान अब सोलर पंप के जरिए सिंचाई कर रहे हैं, जिससे खेती की लागत घटी है और उत्पादन में वृद्धि की संभावना बनी है।

मनरेगा और डीएमएफ के इस अभिसरण ने यह साबित कर दिया है कि योजनाओं का समन्वित क्रियान्वयन किस तरह ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत कर सकता है। एक ओर जहां निर्माण के दौरान रोजगार मिला, वहीं दूसरी ओर स्थायी जल स्रोत ने किसानों को आत्मनिर्भर बनने की दिशा में आगे बढ़ाया है। ग्राम पंचायत बरदर का यह चेक डैम अब अन्य ग्राम पंचायतों के लिए एक आदर्श उदाहरण बन गया है।

बीजादूतीर स्वयंसेवकों ने बच्चों को मोबाइल से दूर रखने दिया सकारात्मक संदेश

श्रीकंचनपथ न्यूज

बीजापुर। जिले में कलेक्टर संबित मिश्रा के सफल नेतृत्व एवं जिला पंचायत सीईओ नम्रता चौबे के मार्गदर्शन में संचालित बीजादूतीर कार्यक्रम के अंतर्गत ब्लॉक भोपालपटनम के मद्देड़ साप्ताहिक बाजार में बीजादूतीर स्वयंसेवकों द्वारा पॉजिटिव पेरेंटिंग (सकारात्मक पालन-पोषण) विषय पर नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया गया।

नुक्कड़ नाटक के माध्यम से स्वयंसेवकों ने अभिभावकों को यह संदेश दिया कि बच्चों के साथ डाँट-फटकार या तुलना करने के बजाय उनसे प्यार और धैर्यपूर्वक बात करना तथा उनकी भावनाओं को समझना अत्यंत आवश्यक है। नाटक में बच्चों के मानसिक एवं भावनात्मक विकास में सकारात्मक संवाद की भूमिका को प्रभावी ढंग से दर्शाया गया। इसके साथ ही बच्चों के जीवन में मोबाइल फोन के अत्यधिक उपयोग के दुष्प्रभावों पर भी प्रकाश डाला गया और अभिभावकों को बच्चों को मोबाइल से दूर रखने एवं उनके साथ गुणवत्तापूर्ण समय बिताने के लिए प्रेरित किया गया।

डाँट नहीं, बात करें जैसे सरल और प्रभावशाली संदेश को रोचक अभिनय के माध्यम से प्रस्तुत किया गया, जिसे बाजार में उपस्थित ग्रामीणों ने ध्यानपूर्वक देखा और सराहा।

कार्यक्रम के दौरान अच्छे पालन-पोषण, परिवार में संवाद और आपसी विश्वास के महत्व पर भी चर्चा की गई। यह पहल ग्रामीणों में जागरूकता बढ़ाने और बच्चों के बेहतर भविष्य के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हो रही है।

खास खबर

13.50 किलो गांजे के साथ स्टेशन में पकड़ाया युवक

भिलाई। रेल सुरक्षा बल ने एक युवक से करीब 13.50 किग्रा गांजा जब्त किया है। पुलिस ने स्टोर पारा स्थित रेलवे ब्रिज के नीचे से आरोपी को पकड़ा। बैग की तलाशी लेने पर 7 पैकेटों में मादक पदार्थ भरा मिला। आरोपी गांजा को गुजरात ले जाने की तैयार कर रहा था। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया। आरपीएफपुलिस ने बताया, मुखबीर से सूचना मिली कि रेलवे स्टेशन के स्टोर पारा इलाके में एक युवक संदिग्ध स्थिति में रेलवे ब्रिज के नीचे बैठा है, उसके पास मादक पदार्थ हो सकते है। सूचना मिलने पर थाने से एक टीम ने घेराबंदी करके युवक को पकड़ लिया। पूछताछ के दौरान युवक ने अपना नाम हाडा वनराज साबजी भाई निवासी राजकोट, गुजरात बताया। टीम ने उसके पास रखे बैग की तलाशी ली, जिसमें 7 पैकेट गांजा मिला। इन पैकेटों का वजन किया गया तो कुल 13.504 किलो गांजा निकला, जिसकी मार्केट कीमत करीब 6 लाख 75 हजार 200 रुपए आंकी गई है। पुलिस ने आरोपी हाडा वनराज साबजी भाई को एनडीपीएस एक्ट की धारा 20(बी) के तहत गिरफ्तार किया गया।

39 लाख की ठगी, मौदहापारा थाने में एफआईआर दर्ज

रायपुर। 38 लाख रूपए लेकर मशीन न बेचने वाले के खिलाफपुलिस ने 420 दर्ज किया है। मौदहापारा पुलिस के अनुसार हुसैनी प्लाजा गुरूनानक चौक निवासी मोहम्मद शाहनवाज 29 ने इमरान नवाब 42 के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कराई है। इमरान ने अपनी एचडीडी मशीन बेचने 23 जून 2021 को सौदा किया था। यह एक निर्माण मशीन है जो जमीन की सतह को खोदे बिना भूमिगत पाइप और केबल डालने का काम करती है। इसके एवज में 3 अप्रैल 24 के बीच 39 लाख रुपए लिए। इमरान ने शाहनवाज को न मशीन सौंपा न रकम लौटा रहा। एक साल तक इंतजार के बाद शाहनवाज ने धारा 420,406,506 के तहत रिपोर्ट दर्ज कराया।

धीरेंद्र शास्त्री के कार्यक्रम में हुई चोरी, शिकायत दर्ज

कोरबा। कोरबा जिले के बांकी मोगरा क्षेत्र में एक पंडित धीरेंद्र शास्त्री के कथा स्थल से चोरी की घटना सामने आई है। जानकारी के अनुसार, बांकी मोगरा निवासी नवल किशोर पंडित की पत्नी अमिता पंडित धीरेंद्र शास्त्री के हनुमान कथा कार्यक्रम में शामिल होने गई थीं। कार्यक्रम समाप्त होने के बाद जब वह घर लौटीं, तब उन्हें पता चला कि उनके गले से लगभग 1.5 तोला सोने का हार चोरी हो गया है। चोरी हुए हार की कीमत करीब 2,15,664 रुपये बताई जा रही है। घटना की जानकारी मिलने के बाद पीड़ित परिवार ने थाना बांकी मोगरा में शिकायत दर्ज कराई है। प्रार्थी नवेल किशोर पंडित ने पुलिस से मांग की है कि जल्द से जल्द चोर को पकड़कर कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए और उनका सोने का हार वापस दिलाया जाए। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

रायपुर में ड्रग्स-सप्लाई करने वाले चार गिरफ्तार

दिल्ली में बैठे तस्कर कॉल पर ऑर्डर-लेते थे, गुर्गों के जरिए डेड-ड्रॉप पैटर्न पर सप्लाई कर लोकेशन भेजते थे

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर पुलिस ने ड्रग्स तस्करी के एक हाईटेक गिरोह का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने काशीराम नगर इलाके में घेराबंदी कर ड्रग सिंडिकेट के एक कुरियर को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से 5.58 ग्राम एमडीएमए जब्त की गई है। मामला तेलीबांधा क्षेत्र का है।

पकड़े गए आरोपियों की पहचान कुणाल मंगतानी, सौरभ डोंगरे, शुभम राठौर और सौरभ यादव के रूप में हुई है। इस गिरोह का काम करने का तरीका बेहद शातिर और आधुनिक था। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, ड्रग्स सिंडिकेट की कमान दिल्ली में बैठे तस्करों के हाथ में थी। दिल्ली में बैठे तस्कर फोन पर ऑर्डर लेते और रायपुर में मौजूद अपने गुर्गों को सक्रिय करते थे। ये आरोपी मोबाइल टैक्सी और रेपिडो राइडर के तौर पर काम करते थे। इसी पेशे की आड़ में वे शहर के अलग-अलग हिस्सों में बिना किसी संदेह के ड्रग्स की सप्लाई कर रहे थे।

बिना आमने-सामने आए 'डेड ड्रॉप' डिलीवरी

पुलिस के अनुसार, ये तस्कर सीधे हाथों में ड्रग्स देने के बजाय 'डेड ड्रॉप' पद्धति का उपयोग करते थे। ऑर्डर मिलने के बाद आरोपी किसी सुनसान या सार्वजनिक स्थान पर ड्रग्स छुपा देते थे। फिर ग्राहक को उसकी लाइव लोकेशन या वीडियो भेज देते थे। इस तकनीक की वजह से वे लंबे समय तक पुलिस की नजरों से बचे रहे। इतना ही नहीं संदेह कम करने के लिए कई बार नाबालिगों के जरिए भी पैकेट पहुंचवाए जाते थे।

बाहरी राज्यों से छत्तीसगढ़ पहुंच रहा नशा

प्रारंभिक पूछताछ में पता चला है कि ड्रग्स की खेप पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, मुंबई और गोवा जैसे राज्यों से ट्रेन, बस और कुरियर के माध्यम से मंगवाई जाती थी।

पुलिस अब इन आरोपियों के मोबाइल डेटा और कॉल रिकॉर्ड्स खंगाल रही है ताकि इस नेटवर्क के मुख्य सरगनाओं तक पहुंचा जा सके। पुलिस का दावा है कि इस कार्रवाई से शहर में सक्रिय ड्रग्स चेन को बड़ा झटका लगा है और जल्द ही कुछ और बड़ी गिरफ्तारियां संभव हैं।

रायपुर में पकड़े गए युवकों को हर डिलीवरी पर मिलती थी रकम

पुलिस की जांच में सामने आया है कि दिल्ली में बैठे मुख्य सप्लायर हर डिलीवरी पर रायपुर में मौजूद गुर्गों को हर डिलीवरी में पैसे देते थे। ये रकम एक हजार से 1500 के बीच होती थी। आरोपियों ने रायपुर में कितनी बार डिलीवरी की है? किस-किस व्यक्ति को डिलीवरी की है? किसके कहने पर डिलीवरी की है? इसकी जानकारी पुलिस ने जुटाई है।

रायपुर क्राइम और साइबर सेल की एक टीम ने रायपुर में कार्रवाई करने के बाद दिल्ली में रेड मारकर कुछ आरोपियों को पकड़ा है। इन आरोपियों को रायपुर लाया जा रहा है। आरोपियों के रायपुर पहुंचने के बाद पूरे मामले का खुलासा अफसर करेंगे।

पिज्जा देने पहुंचे डिलीवरी ब्वॉय ने ग्राहक को पीटा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर के कोटा इलाके में ऑनलाइन फूड ऑर्डर करना एक युवक को भारी पड़ गया। पिज्जा डिलीवरी करने पहुंचे दो युवकों ने लोकेशन सही नहीं बताने का आरोप लगाते हुए ग्राहक के साथ जमकर मारपीट की। आरोपियों ने युवक के सिर पर चाबी से हमला किया। गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी। मामला सरस्वती नगर थाना इलाके का है।

पीड़ित लोकेश्वर सिंह ठाकुर की शिकायत के अनुसार, रविवार रात करीब 12:30 बजे उसने डोमिनोज से दो बॉक्स पिज्जा ऑर्डर किया था। डिलीवरी ब्वॉय ने लोकेशन पूछने के लिए फोन किया, लेकिन उसे रास्ता समझ नहीं

आया। फोन पर ही दोनों के बीच हल्की बहस हुई, जिसके बाद दो डिलीवरी ब्वॉय उनके घर पहुंचे। शिकायत के मुताबिक, जैसे ही पीड़ित ने पिज्जा लेकर पेमेंट किया, दोनों डिलीवरी ब्वॉय भड़क गए।

उन्होंने कहा, तुमने गलत लोकेशन दी, हमें परेशान किया। देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ गया कि डिलीवरी ब्वॉय ने गालियां देनी शुरू कर दी। जब पीड़ित ने विरोध किया, तो आरोपियों ने उन पर लात-घूंसों और हाथ में गाड़ी की चाबी से हमला कर दिया। हमले में पीड़ित के सिर और हाथ पर गंभीर चोटें आई हैं। पीड़ित के चिल्लाने पर मोहल्लेवाले इकट्ठा हुए तो आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए।

पुलिस केस दर्ज, आरोपियों की तलाश

घटना के बाद पीड़ित ने आमानाका थाने पहुंचकर पूरे मामले की शिकायत की है। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस अब उन मोबाइल नंबरों की जांच कर रही है जिनसे डिलीवरी के लिए कॉल आया था। साथ ही फूड डिलीवरी कंपनी से आरोपियों की जानकारी मांगी जा रही है। पुलिस अधिकारियों ने आरोपियों को जल्द गिरफ्तार करने की बात कही है।

कारोबारी के घर से 17 लाख कैश चोरी

रायपुर में दफ्तर जाने से पहले रकम अलमारी में रखी, वापस आया तो गायब मिली

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी रायपुर में एक कारोबारी के घर से 17 लाख रुपए कैश चोरी हो गए, जो कि आलमारी में रखे हुए थे। पीड़ित कारोबारी की शिकायत पर पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मामला सिविल लाइन थाना क्षेत्र के कटोरा तालाब इलाके का है।

जानकारी के मुताबिक पीड़ित कारोबारी का नाम नमित कांकरिया का नाम है, जो सुमित ज्वेलर्स और शुभम के मार्ट से जुड़ा हुए है। नमित ने बताया कि 28 मार्च की रात उन्होंने 17 लाख कैश अलमारी में रखे थे। अगले दिन सुबह दफ्तर जाने से पहले भी रकम सुरक्षित थी।

लेकिन दोपहर में जब वह वापस घर लौटे तो अलमारी में रखी पूरी रकम गायब मिली।

चोर को परिजन भी नहीं देख पाए

कारोबारी ने तुरंत घर में मौजूद लोगों से पूछताछ की, लेकिन किसी ने भी पैसों के बारे में कोई जानकारी नहीं दी। इसके बाद उन्होंने बिना देरी किए सिविल लाइन थाने पहुंचकर चोरी की शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

इस घटना को गंभीरता से लेते हुए सिविल लाइन थाना पुलिस के साथ क्राइम ब्रांच की टीम भी जांच में जुट गई है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है और पड़ोसियों से पूछताछ कर रही है, ताकि संदिग्धों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी मिल सके।

घर आने-जाने वालों की जानकारी जुटा रही पुलिस

प्रारंभिक जांच में पुलिस को आशंका है कि चोरी की वारदात किसी परिचित व्यक्ति द्वारा की गई हो सकती है, जिसे घर और अलमारी में रखी रकम की जानकारी थी। फिलहाल पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच कर रही है और जल्द ही आरोपियों तक पहुंचने का दावा कर रही है।

शराब पीकर गाड़ी चला रहे 159 लोगों पर फिर एक्शन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर कमिश्नरेट की टीम ने शहर के 8 प्रमुख पॉइंट्स पर सरप्राइज चेकिंग अभियान चलाया। पुलिस की इस कार्रवाई में 159 वाहन चालक नशे की हालत में स्टयरिंग थामे मिले। यह अब तक के किसी भी एक अभियान में पकड़े गए शराबियों का सबसे बड़ा आंकड़ा है। इससे पहले अधिकतम 154 केस दर्ज किए गए थे।

3 महीने में टूटा पिछले पूरे साल का रिकॉर्ड

हैरान करने वाली बात यह है कि साल 2026 के शुरुआती तीन महीनों में ही रायपुर पुलिस ने नशे में गाड़ी चलाने वाले 1,580 लोगों पर

कार्रवाई की है। यह आंकड़ा साल 2025 के पूरे 12 महीनों 1,537 केस के रिकॉर्ड को पार कर गया है। पुलिस अब इन सभी आरोपियों के ड्राइविंग लाइसेंस सस्पेंड कराने के लिए आरटीओ को प्रस्ताव भेजने की तैयारी में है।

पुलिस आयुक्त डॉ. संजीव शुक्ला के निर्देशन और डीसीपी विकास कुमार के मार्गदर्शन में यह विशेष अभियान चलाया गया। चेकिंग के दौरान ब्रीथ एनालाइजर से जांच की गई। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि यह मुहिम केवल चालान काटने के लिए नहीं, बल्कि सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों को रोकने के लिए है। अफसरों ने स्पष्ट किया कि नशे में गाड़ी चलाना न केवल खुद की बल्कि दूसरों की जान को भी खतरे में डालना है।

पुलिस ने लोगों से की अपील

शराब पीकर वाहन बिल्कुल न चलाएं, कैब या ऑटो का इस्तेमाल करें। दोपहिया पर हेलमेट और कार में सीट बेल्ट अनिवार्य रूप से लगाएं। बच्चों को किसी भी हाल में वाहन न दें। अफसरों ने आने वाले दिनों में लगातार जांच करने की बात कही है।

अवैध बोरवेल खनन पर वन विभाग की सख्त कार्रवाई

जशपुर। वन क्षेत्र में अवैध बोरवेल खनन की प्राप्त सूचना पर वन विभाग द्वारा सख्त कार्रवाई की गई। अवैध बोर खनन में लगे 2 वाहनों को जप्त किया गया। ग्रामीणों द्वारा दूरभाष के माध्यम से सूचना देने पर वनमण्डलाधिकारी जशपुर शशि कुमार के निर्देशन में वन परिक्षेत्र सन्ना अंतर्गत परिक्षेत्र सहायक तोरा, परिक्षेत्र सहायक सन्ना, बीएफओ. कामारिमा, चलनी, धनगुरी एवं बगीचा परिक्षेत्र के वन अमले द्वारा तत्काल मौके पर पहुंचकर कार्यवाही की गई।

वन अमले द्वारा कक्ष क्रमांक पी 303 में पंचों एवं गवाहों की उपस्थिति में स्थल निरीक्षण किया गया। जांच के दौरान पाया गया कि बोरवेल खनन का कार्य वन भूमि के अंदर अवैध रूप से किया जा रहा था, जिससे वन क्षेत्र एवं जैव विविधता को गंभीर क्षति पहुंचने की संभावना थी। मौके पर कार्य को तत्काल रुकवाया गया तथा संबंधित व्यक्तियों से पूछताछ की गई।

पूछताछ में वाहन चालक सल्लू राम ग्राम मनोहरपुर एवं गोधन कोमा ग्राम नर्राटोला जिला बालौद द्वारा बताया गया कि यह कार्य राजेश यादव ग्राम दातुनपानी के निर्देश पर किया जा रहा था। साथ ही यह भी बताया गया कि संबंधित वाहनों के मालिक रमेश जायसवाल निवासी बिलाईगढ़ जिला बलौदाबाजार हैं। वन विभाग द्वारा उक्त अवैध गतिविधि को गंभीरता से लेते हुए ट्रक को जब्त किया गया। इस संबंध में वन अपराध के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किया गया है। जब्त वाहनों को वन आवासीय परिसर सन्ना में सुरक्षित रखा गया है।

वन विभाग द्वारा स्पष्ट किया गया है कि वन भूमि पर किसी भी प्रकार का अवैध उत्खनन, बोरवेल खनन या अन्य गतिविधियां पूर्णतः प्रतिबंधित हैं तथा इस प्रकार के कृत्यों में संलिप्त पाए जाने पर सख्त वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

रायगढ़ में जमानत पर आए युवक ने रेप पीड़िता को दी धमकी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ में रेप पीड़िता युवती ने जमानत पर रिहा हुए आरोपी और उसके साथी पर केस वापस लेने और जान से मरवाने की धमकी देने का आरोप लगाया। पीड़िता ने मामले की शिकायत महिला थाना में की। जिसके बाद पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ अपराध दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है। मामला कोतवाली थाना क्षेत्र का है।

मिली जानकारी के मुताबिक पीड़िता ने थाना में बताया कि उसने पूर्व में 3 फरवरी 2026 को महिला थाना में आरोपी बादल सिंह राजपूत के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी।

शिकायत में उसने आरोप लगाया था कि अक्टूबर 2022 से जनवरी 2026 तक बादल सिंह राजपूत ने शादी का झांसा देकर उसका शारीरिक शोषण किया और उसका आपत्तिजनक वीडियो भी बनाया। शिकायत पर आरोपी के खिलाफ धारा

69, 115(3), 351(2) एवं 308(2) भारतीय न्याय संहिता के तहत अपराध पंजीबद्ध कर उसे गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था। जिसके बाद आरोपी को जमानत मिला और वर्तमान में आरोपी जमानत पर जेल से बाहर है। इसके बाद पीड़िता के अनुसार 18 मार्च 2026 को उसे यह कहकर बुलाया गया कि कोर्ट में उसका बयान होना है।

जब वह कोर्ट पहुंची, तब कोर्ट परिसर के बाहर अनमोल अग्रवाल, बादल के पिता और कुछ अन्य लोग मौजूद थे। वहां अनमोल अग्रवाल ने उससे कहा कि बादल की जमानत हो गई है, इसलिए केस वापस ले लो और पैसे ले लो, नहीं तो तुम केस हार जाओगी।

पीड़िता का आरोप है कि उसी दौरान अनमोल अग्रवाल ने उसे धमकी दी कि यदि उसने केस वापस नहीं लिया तो उसे जान से मरवा दिया जाएगा।

जान से मरवा देने की धमकी

पीड़िता ने आगे बताया कि 19 मार्च 2026 को दोपहर में वह घर के पास मंदिर दर्शन करने गई थी। वहां मंदिर परिसर में बादल सिंह राजपूत और उसके 2-3 परिचित लोग मौजूद थे। उसे देखते ही बादल सिंह राजपूत ने कथित रूप से कहा कि वह जमानत पर बाहर आ चुका है, वह उसका कुछ नहीं बिगाड़ सकती और यदि उसने केस वापस नहीं लिया तो उसे जान से मरवा देगा। पीड़िता ने यह भी बताया कि उसी शाम आरोपी ने मोबाइल पर कॉल भी किया, लेकिन डर की वजह से उसने फोन नहीं उठाया।

अपने आवेदन में बताया है कि बादल सिंह राजपूत और अनमोल अग्रवाल लगातार उसे डरा-धमकाकर केस वापस लेने का दबाव बना रहे हैं। पुलिस रिकार्ड अनुसार आरोपी बादल सिंह राजपूत थाना कोतवाली की गुंडा-बदमाश सूची में शामिल है।

अपराध दर्ज होने के बाद दोनों आरोपी फरार

ऐसे में महिला थाना दोनों आरोपियों के खिलाफ धारा 351(3), 232(1) एवं 3(5) भारतीय न्याय संहिता के तहत अपराध पंजीबद्ध कर की तालाश की जा रही है। दोनों आरोपी फरार बताए जा रहे हैं। साथ ही आरोपी बादल सिंह राजपूत की जमानत निरस्त कराने के लिए पुलिस द्वारा न्यायालय को प्रतिवेदन भेजा जा रहा है।

एसएसपी शशि मोहन सिंह ने बताया कि किसी भी केस के पीड़ित, गवहों को डराने, धमकाने और न्यायिक प्रक्रिया को प्रभावित करने की कोशिश करने वाले आरोपियों को वैधानिक कार्यवाही की जाएगी। इस मामले में पीड़िता को धमकी देने वाले गुण्डा बदमाश बादल सिंह और उसके साथ अनमोल अग्रवाल के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी और उन्हें गिरफ्तार किया जाएगा।

चाकू लहराकर स्टंट का रील बनाना पड़ा भारी, 6 आरोपी गिरफ्तार

कोरबा। जिले में कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए चलाए जा रहे सजग कोरबा अभियान के तहत कोरबा पुलिस ने एक बार फिर त्वरित और प्रभावी कार्रवाई करते हुए आमजन में भय फैलाने वाले तत्वों पर शिकंजा कसा है।

मामला कोतवाली थाना क्षेत्र के सीतामणी स्टेशन रोड का है, जहां कुछ युवक चलती मोटरसाइकिल पर चाकू लहराते हुए लोगों को डराते हुए नजर आए थे। इस घटना से इलाके में दहशत का माहौल बन गया था और लोगों में असुरक्षा की भावना बढ़ गई थी।

सूचना मिलते ही पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच शुरू की। सीसीटीवी फुटेज और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों की पहचान कर उन्हें हिरासत में लिया गया। पूछताछ में सभी ने घटना को अंजाम देना स्वीकार किया। जांच में कुल 6 लोगों की संलिप्तता सामने आई, जिनमें 27 वर्षीय राहुल यादव (निवासी कुंजनगर) को गिरफ्तार किया गया है, जबकि 5 विधि से संघर्षरत बालकों को किशोर न्याय बोर्ड के समक्ष प्रस्तुत किया जा रहा है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से करीब 6.5 इंच लंबा धारदार चाकू और घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल भी जब्त की है। मामले में आर्म्स एक्ट और मोटर व्हीकल एक्ट के तहत अपराध दर्ज कर आगे की कार्रवाई जारी है।

कोरबा पुलिस का कहना है कि इस तरह की हरकतें किसी भी हालत में बर्दाश्त नहीं की जाएंगी। अभियान के तहत आगे भी इसी तरह सख्त कार्रवाई जारी रहेगी, ताकि शहर में शांति और सुरक्षा का माहौल बना रहे।

मालगाड़ी से कोयला चोरी करते मजदूर को लगा करंट

कोरबा। कोरबा-चांपा सड़क मार्ग पर उरगा थाना क्षेत्र के पताड़ी के पास एक निजी पावर प्लांट के समीप एक मजदूर चलती मालगाड़ी से कोयला चोरी करते समय करंट की चपेट में आ गया। गंभीर रूप से झुलसे मजदूर की हालत नाजुक बनी हुई है। बताया गया है कि गैस खत्म होने के कारण मजदूर खाना बनाने में परेशानी महसूस कर रहे थे। इसी दौरान एक मजदूर ने पास से गुजर रही कोयला मालगाड़ी से कोयला निकालने का जोखिम भरा कदम उठाया। वह चलती मालगाड़ी के ऊपर चढ़कर कोयला निकालने लगा, तभी ऊपर से गुजर रही 11 हजार वोल्ट की हाई टेंशन लाइन के संपर्क में आ गया। तार छूते ही उसे जोरदार करंट लगा और वह बुरी तरह झुलस गया। घायल मजदूर की पहचान ओमप्रकाश (28-30) के रूप में की गई है।

प्रमुख खबरें

भारोत्तोलन : अरुणाचल पुरुष और असम महिला वर्ग में चैम्पियन

रायपुर। इंडिया ट्राइबल गेम्स 2026 के अंतर्गत वेटलिफ्टिंग प्रतियोगिता समापन के साथ ही चैम्पियनशिप टीम के परिणाम भी घोषित किए गए, जिसमें पुरुष वर्ग में अरुणाचल प्रदेश ने ओवरऑल चैम्पियन बनने का गौरव हासिल किया। वहीं मिजोरम फर्स्ट रनरअप और असम सेकंड रनरअप रहा। महिला वर्ग में असम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ओवरऑल चैम्पियन का खिताब अपने नाम किया, जबकि ओडिशा फर्स्ट रनरअप और छत्तीसगढ़ सेकंड रनरअप रहा। पुरुष 110 किलोग्राम भार वर्ग में अरुणाचल प्रदेश के साम्बो लापुंग ने स्वर्ण पदक अपने नाम किया। मिजोरम के डेविड लालजाव्मडिका ने रजत और छत्तीसगढ़ के लकी बाबू मरकाम ने कांस्य पदक जीता।

वहीं पुरुष 110. किलोग्राम वर्ग में मिजोरम के डेविड जोहिमंगमाविया ने स्वर्ण, आंध्र प्रदेश के गुगुलोथु राजा शेखर ने रजत और असम के मनाश प्रतिम सोनवाल नेकांस्य पदक जीता।

महिला वर्ग में भी मुकाबले बेहद रोमांचक रहे। 86 किलोग्राम वर्ग में महाराष्ट्र की साक्षी बंडु बुरकुले ने स्वर्ण, छत्तीसगढ़ की रिशिका कश्यप ने रजत तथा असम की बिटुपुना देओरी ने कांस्य पदक अपने नाम किया। मिजोरम की जोसांगजुआली ने स्वर्ण, असम की पिंकी बोरो और मध्यप्रदेश की गुंजन उइके ने क्रमशः रजत और कांस्य पदक हासिल किया।

छत्तीसगढ़ के खिलाड़ियों ने भी इस प्रतियोगिता में दमदार उपस्थिति दर्ज कराई। लकी बाबू मरकाम ने कहा कि ट्राइबल गेम्स 2026 का आयोजन छत्तीसगढ़ में होना प्रदेश के ग्रामीण और आदिवासी युवाओं के लिए बड़ा अवसर है। इससे उन्हें बड़े मंच को देखने और आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलेगी। पूरे आयोजन के दौरान तकनीकी व्यवस्थाएं सुव्यवस्थित रहीं और प्रतियोगिताएं पारदर्शी तरीके से संपन्न हुईं। दर्शकों का उत्साह भी खिलाड़ियों के प्रदर्शन में ऊर्जा भरता रहा। ट्राइबल गेम्स ने यह साबित कर दिया कि देश के जनजातीय अंचलों में अपार खेल प्रतिभाएं मौजूद हैं।

बिलासा देवी केवट एयरपोर्ट से रात्रि उड़ान सेवा का शुभारंभः मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने भरी पहली नाइट फ्लाइट

श्रीकंचनपथ समाचार

बिलासपुर। बिलासा देवी केवट एयरपोर्ट से रविवार को रात्रि उड़ान सेवा की ऐतिहासिक शुरुआत हो गई। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने नाइट ऑपरेशन्स का लोकार्पण किया और स्वयं रात में पहली उड़ान से रायपुर के लिए रवाना हुए। विधायक धर्मजीत सिंह भी मुख्यमंत्री के साथ रात्रिकालीन उड़ान से रायपुर गए।

उल्लेखनीय है कि एयरपोर्ट को 31 करोड़ रुपये की लागत से 3सी आईएफआर श्रेणी में विकसित किया गया है। डीजीसीए ने 6 फरवरी 2026 को रात्रिकालीन संचालन की अनुमति प्रदान की।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि रात्रि उड़ान सेवा शुरू होने से अब निर्धारित उड़ानों के साथ-साथ आपातकालीन एवं मेडिकल फ्लाइट्स भी रात में संचालित हो सकेंगी, जिससे जीवनरक्षक सेवाएं और अधिक प्रभावी होंगी।

बेहतर हवाई संपर्क से व्यापार, पर्यटन और निवेश को बढ़ावा मिलेगा तथा क्षेत्रीय विकास को नई गति मिलेगी। उन्होंने नागरिकों से इस नई सुविधा का अधिकतम लाभ उठाने की अपील करते हुए सभी यात्रियों के सुरक्षित और सुखद यात्रा की कामना की।

समारोह को केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू और विधायक धरमलाल कौशिक ने भी संबोधित किया।

इस अवसर पर विधायक अमर अग्रवाल, धर्मजीत सिंह, सुशांत शुक्ला, महापौर पूजा विधानी, संभाग आयुक्त सुनील जैन, आईजी राम गोपाल गर्ग, कलेक्टर संजय अग्रवाल, एसपी रजनीश सिंह, एयरपोर्ट के डायरेक्टर एन वीरेंद्र सिंह सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित थे।

माँ कर्मा के आदर्श देते हैं एकजुट, संगठित और सशक्त बनने की प्रेरणा - मुख्यमंत्री साय

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय आज सूरजपुर में आयोजित प्रदेश स्तरीय भक्त माता कर्मा जयंती महोत्सव 2026 में शामिल हुए और भक्त माता कर्मा की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर नमन किया और प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की।

कार्यक्रम से पूर्व मुख्यमंत्री श्री साय ने सूरजपुर रिंग रोड स्थित भक्त माता कर्मा चौक पहुँचकर विधिवत पूजा-अर्चना की और माँ कर्मा की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। उन्होंने कहा कि माँ कर्मा का जीवन त्याग, सेवा और समर्पण का प्रेरक उदाहरण है, जो समाज को एकजुटता और सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ने का संदेश देता है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने अपने संबोधन में साहू समाज को एक गौरवशाली, संस्कारित और विकासोन्मुख समाज बताते हुए कहा कि भक्त माता कर्मा, माता राजिम दाई और दानवीर भामाशाह जैसी महान विभूतियाँ इसी समाज की अमूल्य धरोहर हैं। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ के विकास में साहू समाज की हमेशा महत्वपूर्ण भूमिका रही है और आगे भी यह समाज प्रदेश को नई ऊँचाइयों तक ले जाने में सहभागी बनेगा।

मुख्यमंत्री श्री साय ने नक्सलवाद के मुद्दे पर अपनी सरकार की प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा कि बस्तर क्षेत्र, जो लंबे समय तक नक्सल हिंसा से प्रभावित रहा, अब विकास की मुख्यधारा से तेजी से जुड़ रहा है। उन्होंने कहा कि सड़कों, बिजली, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार के साथ 400 से अधिक गांवों को मुख्यधारा में लाया गया है। आने वाले समय में बस्तर नई ऊँचाइयों को छुएगा।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि पश्चिम एशिया में चल रहे युद्ध और ऊर्जा संकट के बावजूद भारत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बेहतर स्थिति में है। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों से अपील की कि वे किसी भी प्रकार की अफवाहों से बचें और प्रशासन पर भरोसा बनाए रखें।

श्री साय ने अपनी सरकार की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटी को छत्तीसगढ़ में प्राथमिकता के साथ पूरा किया जा रहा है।

होली से पहले 25 लाख से अधिक किसानों को 10 हजार करोड़ रुपये से अधिक की अंतर राशि का भुगतान किया गया, वहीं महतारी वंदन योजना के अंतर्गत लगभग 70 लाख महिलाओं को 16 हजार करोड़ रुपये से अधिक की राशि दी जा चुकी है। भूमिहीन कृषि मजदूरों को भी 10-10 हजार रुपये की आर्थिक सहायता दी गई है, जिससे उनकी आजीविका को मजबूती मिली है। इसके साथ ही श्री रामलला दर्शन योजना और मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना के माध्यम से हजारों श्रद्धालुओं को तीर्थ दर्शन का अवसर प्रदान किया जा रहा है।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय ने साहू समाज के लिए सामाजिक भवन निर्माण हेतु 50 लाख रुपये तथा बाउंड्री वॉल निर्माण के लिए 25 लाख रुपये की घोषणा की। उन्होंने कहा कि यह सहयोग समाज के संगठनात्मक सशक्तिकरण और भविष्य निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू ने अपने संबोधन में कहा कि साहू समाज का इतिहास गौरवशाली रहा है और समाज ने अपने परिश्रम एवं समर्पण से देश और प्रदेश को गौरवान्वित किया है। उन्होंने समाज के विकास के लिए शिक्षा, संगठन और सामाजिक अनुशासन को आवश्यक बताते हुए कहा कि इन्हीं मूल्यों के आधार पर एक सशक्त और आत्मनिर्भर समाज का निर्माण संभव है।

इस अवसर पर पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल, महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े, स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने जशपुर में किया 'डिजिटल डोर सुविधा' का शुभारंभ

श्रीकंचनपथ समाचार

जशपुर। छत्तीसगढ़ के जशपुर नगर पालिका क्षेत्र में अब टैक्स भुगतान के लिए दफ्तरों के चक्कर लगाने की जरूरत नहीं होगी। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने शनिवार को एचडीएफसी बैंक की "डिजिटल डोर सुविधा" का शुभारंभ किया, जिसके तहत नागरिक घर बैठे क्यूआर कोड स्कैन कर जल कर, संपत्ति कर और दुकान कर का भुगतान कर सकेंगे।

नई व्यवस्था के तहत एचडीएफसी बैंक ने नगर पालिका जशपुर के लिए विशेष क्यूआर कोड तैयार किया है। प्रत्येक घर के लिए अलग-अलग क्यूआर कोड जनरेट किया गया है, जिसे घर-घर चस्पा किया जा रहा है। इस क्यूआर कोड में मकान मालिक का नाम, मकान नंबर, मोबाइल नंबर और बकाया कर की पूरी जानकारी उपलब्ध रहेगी। नागरिक क्यूआर कोड स्कैन कर डीडीएन नंबर, मोबाइल नंबर या प्रॉपर्टी आईडी के माध्यम से अपनी देय राशि देख सकेंगे और यूटीआई, डेबिट कार्ड या नेट बैंकिंग के जरिए सुरक्षित भुगतान कर पाएंगे। भुगतान के बाद उन्हें तुरंत डिजिटल रसीद भी प्राप्त होगी।

नगर पालिका जशपुर में लागू प्रॉपर्टी टैक्स इंफॉर्मेशन सिस्टम एक आधुनिक आईसीटी आधारित व्यवस्था है, जो राजस्व संग्रहण को पारदर्शी, सरल और कुशल बनाती है। इस प्रणाली के तहत वर्तमान में लगभग 4600 हाउसहोल्ड को शामिल किया गया है, जिसमें आवासीय, व्यावसायिक और औद्योगिक संपत्तियां शामिल हैं। नागरिकों को समय और श्रम की बचत होगी और नगर पालिका के कार्यों में पारदर्शिता और दक्षता भी बढ़ेगी। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष सालिक साय, नगर पालिका उपाध्यक्ष यश प्रताप सिंह जूदेव, कृष्णा राय, कलेक्टर रोहित व्यास, नगर पालिका अधिकारी योगेश्वर उपाध्याय, एचडीएफसी बैंक के रीजनल मैनेजर सराफत अली और शाखा प्रबंधक दीपक दास सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स-2026 | खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स-2026 | खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स-2026 | खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स-2026 | खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स-2026

पुरुष वर्ग में छत्तीसगढ़, ओडिशा, झारखंड एवं मध्यप्रदेश तो महिला वर्ग में मिजोरम, मध्यप्रदेश, झारखंड व ओडिशा पहुंचे सेमीफाइनल

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स 2026 के पांचवें दिन महिला हॉकी मुकाबलों में शानदार प्रदर्शन देखने को मिला। मिजोरम, मध्यप्रदेश, झारखंड और ओडिशा की टीमों ने उत्कृष्ट खेल का परिचय देते हुए सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

दिन के मुकाबलों में गुजरात ने तमिलनाडु को 10-1 से पराजित किया, जबकि ओडिशा ने झारखंड को रोमांचक मुकाबले में 5-4 से हराया। मिजोरम ने मध्यप्रदेश को 6-0 से शिकस्त दी और छत्तीसगढ़ ने बिहार को 9-0 से हराते हुए शानदार जीत दर्ज की। गुजरात और छत्तीसगढ़ की टीमें सेमीफाइनल में स्थान नहीं बना सकीं। सेमीफाइनल में झारखंड का मुकाबला मिजोरम से तथा मध्यप्रदेश का ओडिशा से होगा।

पुरुष हॉकी में ओडिशा ने असम को 12-1 से हराया, मध्यप्रदेश ने गोवा को 11-2 से परास्त किया, झारखंड ने कर्नाटक को 3-1 से मात दी तथा छत्तीसगढ़ ने आंध्रप्रदेश को 7-0 से हराते हुए सेमीफाइनल में प्रवेश किया। इस प्रकार पुरुष वर्ग में ओडिशा, छत्तीसगढ़, झारखंड और मध्यप्रदेश ने अंतिम चार में जगह बनाई है।

छत्तीसगढ़ की पुरुष टीम ने आंध्रप्रदेश के खिलाफ अपने मुकाबले में बेहद आक्रामक खेल दिखाया। मैच के पहले ही मिनट में गोल दागते हुए टीम ने विपक्ष पर दबाव बना दिया और पहले क्वार्टर में 3-0 की मजबूत बढ़त हासिल कर ली। पूरे मैच में टीम का तालमेल, गति और रणनीति प्रभावशाली रही, जिससे 7-0 से एकतरफा जीत सुनिश्चित हुई।

सेमीफाइनल मुकाबलों पर टिकी सबकी नजरें

हॉकी प्रतियोगिता में अब मुकाबला और भी रोमांचक होने जा रहा है। सेमीफाइनल में पहुंची टीमें फाइनल में जगह बनाने के लिए पूरी ताकत झोंकेंगी। खिलाड़ियों का उत्साह और प्रदर्शन खेल प्रेमियों के लिए आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। सेमीफाइनल में छत्तीसगढ़ का मुकाबला ओडिशा से तथा झारखंड का सामना मध्यप्रदेश से होगा।

फुटबाल बालिका वर्ग में छत्तीसगढ़, अरुणाचल, झारखंड एवं गुजरात ने किया सेमीफाइनल में प्रवेश

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स 2026 के अंतर्गत आयोजित बालिका वर्ग फुटबॉल प्रतियोगिता के पांचवें दिन रोमांच और प्रतिस्पर्धा का उच्च स्तर देखने को मिला। विभिन्न राज्यों की टीमों ने उत्कृष्ट खेल का प्रदर्शन करते हुए सेमीफाइनल में स्थान बनाने जोरदार संघर्ष किया।

स्वामी विवेकानंद स्टेडियम, कोटा रायपुर में खेले गए मुकाबले में असम की टीम ने शानदार तालमेल और आक्रामक खेल का प्रदर्शन करते हुए सिक्किम को 3-0 से पराजित किया। मैच के दौरान असम की खिलाड़ियों ने शुरू से ही दबाव बनाए रखा और विपक्षी टीम को कोई अवसर नहीं दिया।

इसी प्रकार पंडित रविशंकर शुक्ल स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में तमिलनाडु की टीम ने आंध्रप्रदेश को 3-0 से हरा दिया। तमिलनाडु के खिलाड़ियों ने सधे हुए पासिंग, मजबूत डिफेंस और प्रभावी आक्रमण से मैच को पूरी तरह अपने नियंत्रण में रखा।

छत्तीसगढ़ और झारखंड की टीमों का प्रदर्शन भी उल्लेखनीय रहा। छत्तीसगढ़ ने ग्रुप 'ए' में अपने सभी मैच जीतकर अपराजेय रहते हुए शीर्ष स्थान प्राप्त किया, वहीं झारखंड ने ग्रुप 'बी' में शानदार प्रदर्शन करते हुए सेमीफाइनल में प्रवेश किया। अरुणाचल और गुजरात ने भी उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए अंतिम चार में अपनी जगह बनाई। सेमीफाइनल में छत्तीसगढ़ का मुकाबला अरुणाचल प्रदेश से तथा झारखंड का गुजरात से होगा।

'मोरवीर' के साथ युवाओं ने खेले मनोरंजक खेल

रविवार को बड़ी संख्या में स्कूली बच्चे पहुंचे। उन्होंने खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स के मैस्कॉट 'मोरवीर' के साथ मनोरंजक खेल खेला और सेल्फी ली। मैस्कॉट मोरवीर छत्तीसगढ़ी शब्दों 'मोर' (हमारा) और 'वीर' (बहादुर) से बना है, और यह भारत के जनजातीय समुदायों के गर्व, भावना और पहचान का प्रतीक है।

कुश्ती : पूनम, प्रियंका, अंजीतकर, नवीश, मुनैर ने जीता स्वर्ण पदक

रायपुर। सरगुजा जिले के अंबिकापुर स्थित गांधी स्टेडियम में आयोजित कुश्ती स्पर्धा के दूसरे दिन रोमांचक मुकाबले देखने को मिले। खिलाड़ियों ने पूरे जोश और दमखम के साथ प्रतिस्पर्धा करते हुए जीत के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता के अंत में विजेता खिलाड़ियों को पदक प्रदान कर सम्मानित किया गया।

फाइनल मुकाबलों में महिला सीनियर 50 किलोग्राम भारवर्ग में झारखंड की पूनम ओरॉव ने तेलंगाना की के. गीता को 6-3 से पराजित किया, जबकि महिला सीनियर 62 किलोग्राम में हिमाचल प्रदेश की प्रियंका चौधरी ने असम की देबी दैमारी को 11-0 से हराया। पुरुष वर्ग में ग्रीको रोमन सीनियर 67 किलोग्राम में झारखंड के अंजीतकर मुंडा ने गुजरात के वसावा मुकेशभाई को 9-0 से हराया तथा 97 किलोग्राम में हिमाचल प्रदेश के नवीश कुमार ने जम्मू-कश्मीर के शमा हुन को 8-0 से मात दी। वहीं फ्रीस्टाइल सीनियर 74 किलोग्राम में जम्मू-कश्मीर के मुनैर हुसैन ने महाराष्ट्र के विक्रम साहेबराव पवार को 11-1 से हराकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

पदक विजेताओं में महिला 50 किलोग्राम वर्ग में पूनम ओरॉव ने स्वर्ण, के. गीता ने रजत तथा चंचला कुमारी और रूपातलिन ने कांस्य पदक प्राप्त किया। महिला 62 किलोग्राम वर्ग में प्रियंका चौधरी को स्वर्ण, देबी दैमारी को रजत तथा चांदनी नरेती और अनिशा बासुमातारी को कांस्य पदक मिला। पुरुष वर्ग में ग्रीको रोमन 67 किलोग्राम में अंजीतकर मुंडा ने स्वर्ण, वसावा मुकेशभाई ने रजत तथा आकाश करदोंग और अक्षय कुमार ने कांस्य पदक जीता। 97 किलोग्राम वर्ग में नवीश कुमार को स्वर्ण, शमा हुन को रजत और साहिल चौधरी को कांस्य पदक मिला।

फ्रीस्टाइल 74 किलोग्राम में मुनैर हुसैन ने स्वर्ण, विक्रम साहेबराव पवार ने रजत तथा अंकुश कुमार और अमृत फक्कीरप्पा ने कांस्य पदक हासिल किया। इसी प्रकार फ्रीस्टाइल 125 किलोग्राम में महाराष्ट्र के विनोद यशवंत सलाकार ने स्वर्ण, राजस्थान के अमित कुमार मीना ने रजत तथा हिमाचल प्रदेश के हरपाल सिंह ने कांस्य पदक जीता।

टेप की हुई मांसपेशी के साथ पूनम ने गोल्ड जीत कर रचा इतिहास

सरगुजा जिले में आयोजित प्रथम खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स 2026 में झारखंड की प्रतिभावान खिलाड़ी पूनम उरांव ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 50 किलोग्राम भारवर्ग की कुश्ती स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया। चतरा जिले की निवासी पूनम ने अपनी जीत से न केवल अपने राज्य, बल्कि उरांव जनजाति का भी गौरव बढ़ाया है।

पूनम की यह उपलब्धि उनके संघर्ष, धैर्य और दृढ़ संकल्प का प्रतीक है। वर्ष 2019 में दिल्ली नेशनल प्रतियोगिता के दौरान लगी गंभीर चोट के कारण उन्हें लंबे समय तक कुश्ती से दूर रहना पड़ा था। इसके बावजूद उन्होंने हार नहीं मानी और कड़ी मेहनत के दम पर शानदार वापसी की। प्रतियोगिता के दौरान मांसपेशियों पर टेपिंग के बावजूद पूनम ने अपने प्रतिद्वंद्वियों को तकनीक और मानसिक मजबूती के बल पर पराजित किया। अपनी जीत पर भावुक होते हुए पूनम ने कहा कि यह उनके लिए गर्व और खुशी का क्षण है तथा लंबे अंतराल और कठिन संघर्ष के बाद यह सफलता उनके और उनके परिवार के लिए बेहद खास है।

एक साधारण किसान परिवार से आने वाली पूनम उरांव वर्तमान में रांची स्थित खेलगांव में प्रशिक्षण प्राप्त कर रही हैं। उनके पिता ने ही उन्हें कुश्ती के ट्रायल्स में भाग लेने के लिए प्रेरित किया था। पूनम ने अपनी इस सफलता का श्रेय अपने कोच और परिवार को देते हुए कहा कि कठिन समय में मिले सहयोग ने उन्हें आगे बढ़ने की ताकत दी।

स्वर्ण पदक जीतने के बाद पूनम का आत्मविश्वास काफी बढ़ा है। उनका अगला लक्ष्य छत्तीसगढ़ में आयोजित होने वाली जूनियर नेशनल प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करना है, ताकि वे अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर देश का प्रतिनिधित्व करते हुए तिरंगा लहरा सकें। प्रथम खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स 2026 में पूनम उरांव की यह उपलब्धि अन्य खिलाड़ियों के लिए भी प्रेरणास्रोत है और प्रदेश में खेलों के प्रति बढ़ती जागरूकता का प्रतीक है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950